जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 21 संख्याः 55 प्रभात जालोर, मंगलवार 2 जून, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी फ़र्ज़ी हस्ताक्षर के मामले में फंसे

उन पर यह आरोप टीएमसी के ही तीन विधायकों ने लगाया है और कई विधायक इन बागी विधायकों के पक्ष में एकजुट हो रहे हैं, साफ लग रहा है टीएमसी टूट रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- आरोप है कि उन्होंने प.बंगाल विधानसभा स्पीकर को, तृणमूल विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने के लिए जो लैटर भेजा था, उसमें कुछ विधायकों के फ़र्ज़ी हस्ताक्षर हैं।
- नव निर्वाचित विधायक ऋतव्रत बनर्जी, संदीपन साहा व अरुप रॉय ने कहा कि पत्र में उनके हस्ताक्षर नहीं है। ऋतव्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।
- इसी बीच पता चला है कि तृणमूल के तीस विधायकों ने दक्षिण कलकत्ता के होटल में गुप्त मीटिंग की थी। जबकि ममता बनर्जी ने नए विधायकों की जो मीटिंग बुलाई थी, उसमें मात्र 20 विधायक आए और 50 से ज्यादा ने ममता के आदेश की अवहेलना की।

नई दिल्ली, 1 जून। तृणमूल कांग्रेस टूटने के कगार पर है। पार्टी के दो नवनिर्वाचित विधायकों ने खुलासा किया है कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने प.बंगाल विधानसभा स्पीकर को जो पत्र लिखा था, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद का दावा किया गया था, उसमें फर्जी हस्ताक्षर पेश किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कई विधायक अब इन बागी विधायकों के साथ खड़े हो रहे हैं।

पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने विधानसभा में अपनी पार्टी के विधायक शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने का दावा पेश किया था। इसके लिए उन्होंने एक पत्र विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा था, जिसमें 30 से अधिक विधायकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था।

अभिषेक बनर्जी पर "आपराधिक साजिश, जालसाजी और धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी" के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने उन विधायकों के हस्ताक्षरों को प्रमाणित किया था, जिनके बारे में कहा गया था कि वे उपस्थित थे और उन्होंने पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन बाद में उन कई विधायकों ने इस बात से इनकार कर दिया कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए उस पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

तथापि, अब तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की है कि विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में नए विधायकों के हस्ताक्षर फर्जी तरीके से लगाए गए थे। पार्टी में विद्रोह का माहौल है और कई विधायक दल, की औपचारिक बैठकों से दूरी बना रहे हैं।

पार्टी के वरिष्ठ विधायक अरूप रॉय ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्लूटूथ से नकल कराने वाले को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 1 जून। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1, महानगर द्वितीय ने राजस्व अधिकारी भर्ती, 2022 में ब्लूटूथ के जरिए नकल कराने के मामले में नकल सरगना तुलछाराम कालेर को 15 दिन की अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी के आपराधिक इतिहास और प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

अंतरिम जमानत प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि वह पिछले दो सालों से जेल में है। उसके बड़े भाई बीकानेर

- दो साल से जेल में बंद तुलछाराम ने बड़े भाई, जो वेंटिलेटर पर है, की सेवा के लिए जमानत मांगी थी।

के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं और भाई की सेवा के लिए उसे 15 दिन की अंतरिम जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए मामले के विशेष लोक अभियोजक भंवर सिंह ने कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी तुलछाराम के खिलाफ अजमेर, बीकानेर, सीकर और जयपुर के विभिन्न थानों में पेपर लीक, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के कुल 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे संगठित नकल गिरोह के मुख्य सूत्रधार को अंतरिम जमानत देना किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं है। प्रार्थना पत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब भाजपा का फोकस राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत पाने पर है

18 जून को राज्यसभा की 27 सीटों का चुनाव होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- वर्तमान में राज्यसभा में एनडीए के 148 सांसद हैं और सत्ता पक्ष को 27 सीटों में से 17-18 सीटें मिलने की उम्मीद है।
- हरेक राज्यसभा चुनाव की तरह इस बार भी क्रॉस वोटिंग का खतरा है, विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस काफी सतर्कता बरत रही है कि क्रॉस वोटिंग ना हो।

नई दिल्ली, 1 जून। राज्य विधानसभा के चुनावों के बाद राजनीतिक समीकरण बदल जाने के बीच, इस महीने के अंत में 27 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव अगली बड़ी चुनावी घटना होंगे। क्रॉस-वोटिंग की संभावनाओं के कारण इन चुनावों पर सभी की नज़रें टिकी रहेंगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 18 जून को होने वाले चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार रात किया। बताया जाता है कि बैठक में अन्य मुद्दों के साथ राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को विश्वास है कि इस चुनाव के बाद राज्यसभा में उसकी संख्या 150 के पार पहुंच जाएगी और वह दो-तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगा। वर्तमान में उच्च सदन में एनडीए के 148 सांसद हैं और अनुमान है कि वह चुनाव में उपलब्ध 27 सीटों में से 17-18 सीटें जीत सकता है।

यह चुनाव ऐसे समय हो रहा है, जब कई प्रमुख नेताओं का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तथा केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू शामिल हैं।

राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय रहती है। इस बार राजनीतिक विश्लेषकों की निगाह विशेष रूप से मध्य प्रदेश पर रहेगी, जहां तीन सीटों के लिए चुनाव होना है। कांग्रेस के पास एक सीट जीतने लायक समर्थन तो है, लेकिन उसके पास केवल छह अतिरिक्त वोट हैं, जिससे क्रॉस-वोटिंग का खतरा बना हुआ है।

ऐसी स्थिति में कांग्रेस किसी वरिष्ठ नेता पर दांव लगा सकती है। लेकिन, दिग्विजय सिंह के राज्यसभा में लौटने से इनकार करने के बाद पार्टी को एक मजबूत उम्मीदवार तलाशना होगा।

मध्य प्रदेश में भाजपा के दो सीटें जीतने की संभावना है और जॉर्ज कुरियन को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

इस चुनाव का एक बड़ा निष्कर्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का पुनर्निर्वाचन हो सकता है। कर्नाटक में पार्टी की संख्यात्मक स्थिति को देखते हुए कांग्रेस के तीन सीटें जीतने की संभावना है, जिनमें खड़गे की सीट भी शामिल होगी।

राजस्थान में भाजपा के दो सीटें जीतने की संभावना है, जबकि कांग्रेस को एक सीट मिलने की उम्मीद है। भाजपा की ओर से रवनीत सिंह बिट्टू को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है, जबकि कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा के नामों पर विचार कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सात नई बुलेट ट्रेन्स चलाने की तैयारी में है केन्द्र सरकार

सूत्रों ने बताया कि ज्यादा रैवेन्यु देने वाले क्षेत्रों में हाई स्पीड रेल लाइन बनाने का काम शुरु हो चुका है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर में दिल्ली से आगरा के लिए और सूरत-नागपुर संभाग के दनकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर में हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जाएगी।
- दिल्ली-आगरा हाई स्पीड ट्रेन के लिए मथुरा में इतौली गाँव के पास स्टेशन बनाया जाएगा, इसके लिए भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया भी शुरु हो चुकी है।
- हैदराबाद की कंपनी आरवी एसोसिएट्स को 2100 किलोमीटर लंबे दनकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर के लिए विस्तृत प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनाने का काम सौंपा गया है, कंपनी ने इस पर काम शुरु कर दिया है।

नई दिल्ली, 1 जून। सात हाई स्पीड रेल लाइनों के साथ-साथ नई दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर परियोजना को चरणबद्ध और क्रमिक तरीके से लागू किया जाएगा। जिन क्षेत्रों से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पहले विकसित किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक चरण में दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर के अंतर्गत दिल्ली-आगरा लाइन तथा प्रस्तावित दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) के सूरत-नागपुर खंड पर कार्य शुरू किया जाएगा।

पश्चिम एशिया के युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा संकट के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में आई मंदी के बावजूद, भारत सरकार इन ज्यादा लागत वाली परियोजनाओं को लागू करने के प्रति अपनी गंभीरता प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक दिखाई दे रही है। हैदराबाद स्थित अरवी एसोसिएट्स, जिसे 2100 किलोमीटर लंबे दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है, हाल के सप्ताहों में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन (डीएफसीसी) के अधिकारियों के साथ बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल रही है। अधिकारियों के अनुसार, इन मीटिंगों में तकनीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट में 8 नए जज नियुक्त

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 जून। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार, केन्द्र सरकार ने सोमवार को भारत के सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी,

- अब सुप्रीम कोर्ट में कुल 38 जज हो गए हैं।

जिससे देश की सर्वोच्च अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई (मुख्य न्यायाधीश के अलावा, 37 न्यायाधीश)।

नव नियुक्त न्यायाधीश हैं: न्यायमूर्ति शील नागू, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली, जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख उच्च

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओमान से पैक्ट ने भारत को होर्मुज़ का विकल्प दिया

ओमान की लोकेशन ऐसी है, जहाँ से सलालाह और दुक्म जैसे प्रमुख बंदरगाहों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है, भले ही होर्मुज़ स्ट्रेट अवरुद्ध हो

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च थिंक टैंक के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान भारत के लिए एक विश्वसनीय व्यापारिक व एनर्जी "गेटवे" बना रहेगा और खाड़ी में चल रहे वर्तमान संकट को देखते हुए इससे भारी लाभ होगा।
- गत वर्ष दिसम्बर में प्र.मंत्री मोदी ने मस्कट दौरे में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता एक जून से लागू हो गया है, जिसके तहत भारतीय निर्यात पर शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

नई दिल्ली, 1 जून। भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौता (सी.ई.पी.ए.), जिसके तहत भारत के कई श्रम-प्रधान निर्यात उत्पादों को शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) पर बाजार तक पहुंच मिलेगी, 1 जून से लागू हो गया है। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर पिछले वर्ष दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मस्कट यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

इस समझौते का सबसे बड़ा महत्व ओमान की भौगोलिक स्थिति में निहित है। होर्मुज़ स्ट्रेट पर ईरान के नियंत्रण के कारण सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत आने वाले तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खाड़ी के अधिकांश देशों के विपरीत, ओमान का अधिकांश समुद्री तट इस होर्मुज़ स्ट्रेट के बाहर सीधे अरब सागर और ओमान की खाड़ी से जुड़ा हुआ है।

थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी.टी.आर.आई.) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान की रणनीतिक स्थिति के कारण सलालाह और दुक्म जैसे प्रमुख बंदरगाह तब भी सुलभ बने रहते हैं जब स्ट्रेट से होने वाला यातायात बाधित हो जाता है।

श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा, "इसी वजह से खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता के दौरान भी ओमान व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक भरोसेमंद द्वार बना रह सकता है।" उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा खाड़ी संकट ने इस लाभ को स्पष्ट रूप से साबित कर दिया है।

भारत का प्रमुख खाड़ी देशों से आयात अप्रैल 2025 में लगभग 15 अरब डॉलर से घटकर अप्रैल 2026 में 9.8 अरब डॉलर रह गया। इसी अवधि में भारत का निर्यात 4.4 अरब डॉलर से घटकर 2.7 अरब डॉलर पर आ गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट-यूजी कम्प्यूटर आधारित नहीं होगी'

नई दिल्ली, 01 जून। सुप्रीम कोर्ट ने 2026 की नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड के माध्यम से आयोजित करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

यह याचिका जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार

- सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बंध में दायर याचिका पर फिलहाल सुनवाई से इन्कार किया।

की आंशिक कार्यदिवस वाली बेंच के समक्ष पेश की गई। कोर्ट ने मामले को अवकाश के बाद सूचीबद्ध किया है। जस्टिस नरसिम्हा ने टिप्पणी की, वे (एनटीए) परीक्षा को दोबारा आयोजित कर रहे हैं। उन पर कितना दबाव है। हम अवकाश के बाद इस पर चर्चा करेंगे।

'प्रक्रिया एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं'

हाईकोर्ट ने 7 साल से अटके 528 करोड़ रु. के आर्बिट्रेशन पर हैरानी और नाराज़गी जताई

-यादवेन्द्र शर्मा-

- अदालत ने एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स और जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के इस विवाद को एक माह में निपटाने के आदेश दिए
- अदालत ने लंबी अवधि के बावजूद अवार्ड जारी नहीं करने और सुनवाई टालने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि "यह रवैया आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) के नियम-उद्देश्यों के विपरीत है।"
- उल्लेखनीय है कि आर्बिट्रेशन में अधिकतर मामलों में नियमानुसार एक वर्ष के भीतर ही पूरी सुनवाई हो जानी चाहिए, हालांकि गिने-चुने मामलों में ही 6 माह का अतिरिक्त समय भी मिलता है।

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स लि. और जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के साथ चल रहे 528 करोड़ के भुगतान विवाद में फैसला दिया है कि अगले एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करे। उल्लेखनीय है कि, इस प्रकरण में वर्ष 2019 से आर्बिट्रेशन लंबित हैं और दोनों पक्षों ने आर्बिट्रेशन की फीस के पेटे 13 करोड़ रुपए चुकाए हैं।

अदालत ने करीब 7 साल की लंबी अवधि बावजूद अवॉर्ड जारी नहीं किए जाने और अलग-अलग कारणों की वजह से सुनवाई टाले जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह रवैया आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) के नियम-उद्देश्यों के विपरीत है। उल्लेखनीय है कि आर्बिट्रेशन में अधिकतर मामले 1 वर्ष के भीतर ही पूरी सुनवाई हो जानी चाहिए, जिसका गिने-चुने मामलों में ही 6 माह का अतिरिक्त समय मिलता है।

यह मामला रोचक और महत्वपूर्ण इसलिए हैं कि, आर्बिट्रेशन के नियम-कायदे इस उद्देश्य से बनाए थे कि अदालत के चक्कर काटे बिना ही दो पक्ष कानूनी व्यवस्था में अपना विवाद कम समय व उलझनों में सुलझा सके। आर्बिट्रेशन, कोर्ट के बाहर बड़ी कंपनियों और सरकारों के बीच उत्पन्न हुए विवादों को निपटाने का कारगर रास्ता इसलिए माना जाता था क्योंकि, बड़े भुगतानों के विवाद लंबे समय तक अदालतों में पैंडिंग रहने से कंपनियों और सरकार दोनों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

ज्ञात रहे कि एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स ने वर्ष 2009 में केन्द्र सरकार की पंचवर्षीय योजना के तहत राजस्थान में प्रोजेक्ट लिया था। इसके तहत उन्हें विद्युत छीजत 15 प्रतिशत घटाने, मीटरिंग, बिलिंग, कलेक्शन, जीआईएस, एनर्जी ऑडिट और नये विद्युत कनेक्शन देने जैसे कार्य करने थे। इसके साथ ही बिजली विभाग का स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचा तैयार करना था। यह प्रोजेक्ट राजस्थान के 87 कस्बों और जिलों में चिन्हित 534 जगहों पर होना था। वर्ष 2019 में यह पूरा हो चुका, परंतु कंपनी का 528.20 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं हुआ। इस मामले में कंपनी के वकील का कहना है कि, उनके पास कार्य की पूर्णता का प्रमाण पत्र (कंप्लीशन सर्टिफिकेट) है, यह भुगतान से जुड़ा हुआ मामला है, जो वर्ष 2019 से लंबित चल रहा है।

ऐसे में एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स का जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम्स के साथ विवाद शुरू हो गया। इसके बाद यह प्रकरण सिंतबर 2019 में आर्बिट्रेशन में पहुंच गया था, लेकिन करीब 1 वर्ष बाद जुलाई-2020 में पहली बार आर्बिट्रेशन का कोरम सुनवाई के लिए गठित हुआ। परंतु कोविड महामारी के चलते लंबे-लंबे अंतराल के साथ मामले की सुनवाई नहीं हो पायी, जबकि इस मामले की पूरी सुनवाई फरवरी 2023 तक पूरी हो जानी थी। परंतु दोनों पक्षों ने आर्बिट्रेशन की अवधि अगस्त-2023 तक बढ़ाए जाने पर सहमति दी, लेकिन प्रकरण में लगातार हो रही देरी के बाद एचसीएल ने कमर्शियल कोर्ट में याचिका दायर की। जहां अदालत ने 17 सितंबर 2024 को फैसला सुनाते हुए आर्बिट्रेशन के लिए 20 माह का अतिरिक्त समय (30 अप्रैल 2025 तक) दिया। इस आदेश में कमर्शियल कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई थी, जिसको चुनौती देते हुए एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। परंतु हाईकोर्ट ने इन विशेष शर्तों को हटाते हुए कमर्शियल कोर्ट द्वारा समयावधि बढ़ाने को जायज माना।

जब इस तय समयावधि में भी मामले का निपटारा नहीं हुआ तो एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स पुनः कमर्शियल कोर्ट पहुंचा, जिस पर अदालत ने पुनः समयावधि बढ़ाते हुए 30 सिंतबर 2026 तक का वक्त दे दिया। अब इस प्रकरण में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर दुःख जताया

नई दिल्ली, 01 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने सुमन कल्याणपुर के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि

- उन्होंने कहा कि सुमन कल्याणपुर की सुरीली आवाज व भावपूर्ण गायन ने देश की सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया।

उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन ने भारत की सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया और अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

परीक्षाएं चार, छात्रों पर अत्याचार

आज यह संपादकीय, मैं, दुख और आक्रोश के मिश्रित भाव से लिख रहा हूं। गत एक माह से भारत के छात्रों के साथ जिस प्रकार का संवेदनहीन व्यवहार, भारत सरकार का रहा है, वह अक्षम्य है। मई माह में कुल चार परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिनमें कुल 1.12 करोड़ छात्रों ने परीक्षा दी। प्रत्येक परीक्षा ने परीक्षार्थियों को उलझन, असमंजस और परेशानी के अलावा कुछ नहीं दिया।

3 मई, 2026 को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए NEET, एन टी ए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की गई। इसमें 23 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। उल्लेखनीय है कि NEET की तैयारी और कोचिंग पर छात्र दो तीन साल मेहनत करते हैं और लगभग एक दो लाख रुपए खर्च भी करते हैं। इस परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने की बात सामने आने पर एन टी ए ने 12 मई को इस परीक्षा को निरस्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि 2024 में भी इसी परीक्षा का पेपर लीक हुआ, किंतु सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयानुसार कुछ ही केंद्रों पर परीक्षा दुबारा ली गई। इसके बावजूद एन टी ए के अध्यक्ष पी के जोशी को हटाया तक नहीं गया। बार–बार पेपर लीक होना केवल शिक्षा मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्री की अक्षमता को ही उजागर कर रहा है।

अब तो खबर यहां तक आ रही है कि NEET कराने का काम स्वयं प्रधानमंत्री की देख–रेख में होगा। इसके लिए सेना के हवाई जहाजों का भी उपयोग किया जाएगा। क्या यह विडंबना नहीं है कि शिक्षा मंत्रालय के लवाजमे पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी परीक्षाएं कराने का काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। यदि वास्तव में यह स्थिति आ गई है तो फिर शिक्षा मंत्री के अपने पद पर रहने का क्या औचित्य है? उनका इस्तीफा अब तक क्यों नहीं लिया गया? क्यों नहीं एनटी ए के अध्यक्ष को अभी तक बर्खास्त किया गया? शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस घटना के कई दिन बाद अपनी गलती मानी किंतु त्यागपत्र फिर भी नहीं दिया। नीट की परीक्षा की नई तारीख 21 जून 2026 को रखी गई है, किंतु सभी विद्यार्थी इसी आशंका में मानसिक अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं कि अगली परीक्षा में पेपर लीक नहीं होगा, इसकी क्या गारंटी है? इस प्रकार की मन:स्थिति में कोई भी छात्र, किस प्रकार से अपनी तैयारी करके अपनी श्रेष्ठतम प्रतिभा का प्रदर्शन परीक्षा के दौरान कर पाएगा? आश्चर्य की बात यह है कि संसदीय समिति के सम्मुख उपस्थित एन टी ए और शिक्षा विभाग के अधिकारी ने पेपर लीक होने से ही इनकार कर दिया।

इसी प्रकार, सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के मूल्यांकन में अनेक प्रकार की धांधलियों की बात सामने आ रही है । पहली बार, सीबीएसई ने OSM अर्थात ऑन स्क्रीन मार्किंग की व्यवस्था को लागू किया। इसके फलस्वरुप अनेक विद्यार्थियों की कॉपियां अच्छी तरह स्कैन नहीं हुईं और परीक्षकों का उपयुक्त प्रशिक्षण नहीं होने के कारण मूल्यांकन भी सही तरह नहीं हो पाया । स्कैन्ड कॉपियों से यह भी पता लगा कि मुख्य पृष्ठ किसी एक बच्चे का था तो अंदर की सारी कॉपी किसी दूसरे बच्चे की थी। कई बच्चों की कॉपी में कई प्रश्न जंचने से रह गए । यहां यह उल्लेखनीय है कि जिस कंपनी को OSM का काम दिया गया, उसे तेलंगाना सरकार द्वारा बहुत पहले ही ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था । न केवल यह, सीबीएसई ने स्वयं भी 2017–18 में प्रायोगिक तौर पर इसे लागू किया था किंतु इसकी असफलता को देखते हुए एवं इसकी कठिनाइयों को देखते हुए इसे बाद में लागू नहीं किया।

12वीं का परिणाम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस पर यह निर्भर करता है कि उसे किस पाठ्यक्रम में एवं किस कॉलेज में प्रवेश मिल पाएगा? कई विद्यार्थी ऐसे भी होंगे जिन्होंने आईआईटी और नीट की परीक्षा दी है और संभवताया उसमें उत्तीर्ण भी हो जाएं, किंतु यदि सीबीएसई की अक्षमता के कारण उनके 75 प्रतिशत से कम अंक आए हैं, तो वे इनमें प्रवेश पाने से वंचित रह जाएंगे। इस बारे में सरकार का क्या निर्णय रहेगा, अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है ।

दुर्भाग्य की बात यह है कि प्रधानमंत्री जो बच्चों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए कई बार 'मन की बात' में संबोधित करते रहे हैं, वे विद्यार्थियों को इस संकट के समय में, सांत्वना देने एवं उन्हें सही दिशा दिखाने के लिए अभी तक संबोधित करने के लिए समय नहीं निकाल पाए हैं।

इन सभी व्यवस्थाओं का मुख्य कारण जवाबदेही का नितांत अभाव है। ब्लैकलिस्टेड कंपनी को इतना महत्वपूर्ण गोपनीय काम दिया जाना, भ्रष्टाचार की आशंका को बल देता है। 12वीं की परीक्षा कोपियों के लगभग 40 करोड़ पृष्ठों का स्कैनिंग किया गया था। इस के लिए करोड़ों रुपए कंपनी को दिए गए होंगे। पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि संघ लोक सेवा आयोग अर्थात् यूपीएससी का अपना स्वयं का प्रिंटिंग प्रेस है और वहां सारा गोपनीय काम, उसके स्थाई कर्मचारी करते हैं। इसी कारण वहां पर किसी प्रकार के पेपर लीक की घटनाएं अभी तक सामने नहीं आई हैं । सर्वोच्च न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान यूपीएससी से सीख लेने हेतु एनटीए को नसीहत दी है, किंतु यह सब तब उपयोगी है जब किसी के मन में लेशमात्र भी संवेदनशीलता बची हो। अब तो लोग एन टी ए को ''नेशनल टॉर्चर एजेंसी'' और ''नेवर ट्रस्ट एजेंसी'' तक कहने लगे हैं।

मीडिया से प्राप्त समाचार के अनुसार नीट पेपर लीक प्रकरण में पेपर सैटर्स की लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं । समस्या यह है कि ये सब शतरंज के खेल में केवल प्यादे हैं, इनका खिलाड़ी तो कोई और है। सवाल यह है कि उस तक पहुंच कर, बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? जब तक शिक्षा मंत्री, एनटीए और सी बी एस ई के अध्यक्षों को हटाया जाकर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक इस बारे में निष्पक्ष जांच होना संभव नहीं है।

SSC (GD) परीक्षा जो कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयोजित होती है, में 52 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया । इनमें से कई ,जब केंद्र पर परीक्षा देने गए तो उत्तर प्रदेश के कई केंद्रों पर यह पता चला कि केंद्र पर जितने लोगों के बैठने की व्यवस्था है, उससे कहीं अधिक लोगों को उस केंद्र के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। परिणाम यह हुआ कि उन केंद्रों पर हुडदंग मच गया और परीक्षा निरस्त करनी पड़ी । अब शायद किसी अन्य तिथि को वहां पर परीक्षा होगी। एक ही भर्ती के लिए यदि अलग–अलग तरह के पेपर के आधार पर परीक्षा आयोजित होगी तो उनकी तुलनात्मक योग्यता सूची कैसे तैयार होगी यह स्पष्ट नहीं है। एक ओर जहां हम तकनीकी के क्षेत्र में बहुत प्रगतिशील होने का दावा करते हैं और स्वयं को विश्व गुरु कहलाते हुए नहीं थकते, वहीं दूसरी ओर यदि परीक्षा केंद्रों का आवंटन और परीक्षाओं के साधारण संचालन का काम भी ढंग से नहीं कर पाते हैं, तो फिर ये दावे खोखले प्रतीत होते हैं। इतने लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली सरकार को इस पर विचार करना चाहिए कि वह केवल युवाओं के भविष्य के साथ ही नहीं अपितु देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है । इसके बावजूद भी यदि युवा आक्रोशित होकर सड़कों पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं करते हैं, तो इसे सरकार को अपने खुशकिस्मती माननी चाहिए।

मीडिया से प्राप्त समाचार के अनुसार नीट पेपर लीक प्रकरण में पेपर सैटर्स की लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं । समस्या यह है कि ये सब शतरंज के खेल में केवल प्यादे हैं, इनका खिलाड़ी तो कोई और है। सवाल यह है कि उस तक पहुंच कर, बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? जब तक शिक्षा मंत्री, एनटीए और सी बी एस ई के अध्यक्षों को हटाया जाकर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक इस बारे में निष्पक्ष जांच होना संभव नहीं है।

जैसा कि मैंने इसी विषय पर एक संपादकीय में लिखा था कि नीट की परीक्षा से जुड़े कोचिंग संस्थानों की कमाई हजारों करोड़ रुपए की होती है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे किसी को भी खरीदा जा सकता है।

वास्तव में पेपर लीक का कार्य एनटीए के अंदर के लोगों द्वारा ही कराया जाता है । इसे किस प्रकार रोका जाएगा, इसकी कोई बात नहीं की जा रही है। यदि विमान से पेपर भेजने की व्यवस्था की जाएगी तो ऐसा कितनी परीक्षाओं में किया जाना संभव होगा? वैसे भी पेपर लीक, परिवहन में नहीं अपितु एन टी ए के अंदर से होते हैं।

इस प्रकार की सड़ी गली, भ्रष्ट व्यवस्था से जो डॉक्टर बनेंगे, वे किस प्रकार से मरीजों का इलाज करेंगे और कैसे उन्हें लूटने का काम करेंगे, इसके कुछ नमूने तो हम आजकल भी देख रहे हैं। गलत तरीके अपनाकर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाले छात्रों का प्रवेश निरस्त क्यों नहीं किया जाता है?

सरकार अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय अपनी व्यवस्थाओं को अच्छा बताने की दृष्टि से लगातार विद्यालयों के प्राचार्यों से रटे–रटाए बयान के वीडियो रील कर बनवा कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करवा रही है। ऐसा करके सरकार, छात्रों के घावों पर नमक छिड़कने का ही काम रही है।

देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु एनटीए द्वारा ही सी यू ई टी (कंबाइंड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) का आयोजन 30 मई को किया गया था, जिसमें लगभग 15 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए अपने आप को पंजीकृत कराया था। इस परीक्षा मको डिजिटल सिस्टम से कराना तय किया गया था। कई सेंटरों पर सर्वर डाउन होने के कारण 7:00 बजे के शिफ्ट वाले बच्चों को 12:00 बजे तक बिठाये रखा गया और बिना परीक्षा के भेज दिया गया। बाद में एन टी ए के द्वारा उनके पास संदेश भेजा गया कि उनकी परीक्षा उसी दिन होगी। कई बच्चों को केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। बच्चे इधर–उधर भटकते रहे, कभी सर्वर डाउन होने के नाम पर, कभी तकनीकी खराबी आने के नाम पर। कोई स्पष्ट उत्तर देने वाला जिम्मेदार व्यक्ति सेंटर पर उपलब्ध नहीं था।

युवाओं में पनप रहे इसी क्षोभ और आक्रोश की परिणति, कॉकरोच जनता पार्टी नाम के आंदोलन के रूप में हुई, जिससे एक सप्ताह में ही ढाई करोड़ लोग जुड़ गए थे। लगता है, सरकार ने अभी तक भी युवाओं के आक्रोश को सही तरह भांपने का प्रयास नहीं किया है और केवल रक्षात्मक मुद्रा अपनाने में और अपनी स्वयं की पीठ थपथपाने में ही लगी रही है । यह स्थिति अधिक समय तक चलना न सरकार के हित में है, न छात्रों के और न ही देश के हित में है। सरकार को तत्काल स्थिति की गंभीरता को समझ कर उपयुक्त उपचारात्मक कदम उठाने चाहिएं।

संक्षेप में, हम गत एक माह की घटनाओं के बारे में फिलहाल यही कह सकते हैं ''परीक्षा चार, छात्रों पर अत्याचार''।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

''वसुधैव कुटुंबकम् को चरितार्थ करने का समय आ गया है : चमत्कार नहीं, कर्म से होगा उद्धार''

मदन सिंह काला

–महोपनिषद का महान श्लोक: ''अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।'' – अर्थात् यह मेरा है, यह पराया है, ऐसी सोच छोटे मन वालों की है। उदार चरित्र वालों के लिए तो पूरी पृथ्वी ही एक परिवार है।–

सब मनुष्यों की एक ही जाति है और वह है 'मानव'। 600 साल पहले संत कबीर ने सिकंदर लोदी के राजतंत्र जैसे शासन काल में इस सत्य को उजागर करते हुए महोपनिषद के वसुधैव कुटुंबकम को सरल भाषा में समझाया। उस समय मुसलमान और ब्राह्मण अपने–आपको ही धर्म–जाति के अहंकार में खुद को महान समझते थे। उन्हीं के विवेक को जगाने के लिए कबीर ने आमजन की भाषा में ये दोहे कहे:

–''एक बूंद एक मलमूत्र, एक चाम एक गुदा। एक जोत से सब उत्पन्ना, को बामन को सूदा।।'' अर्थात सब इंसान एक ही तरह की बूंद (वीर्य) से पैदा होते हैं, सबका मल–मूत्र एक–सा है, सबकी चमड़ी–शरीर की बनावट एक–सी है, सबमें प्राण–ज्योति भी एक ही है। फिर यह ब्राह्मण कौन और शूद्र कौन? आज तो अंतर्जातीय, अंतर्देशीय और अंतरधार्मिक विवाह हो रहे हैं। उनसे बच्चे भी पैदा हो रहे हैं – यह प्रकृति की ओर से सबसे बड़ा प्रमाण है कि मनुष्य की जाति एक ही है।

–''जो तूं बाम्हन बाम्हनी जाया, तो आन बाट काहे नहीं आया। जो तूं तुरूक तुरकनी जाया, तो भीतर खतना क्यों न कराया।।'' अर्थात पैदा होते समय न कोई जनेऊ पहनकर आता है, न खतना कराकर। जाति–धर्म सब बाद में लादे गए लेबल हैं। असली पहचान तो सिर्फ 'इंसान' है।

कबीर का यह विज्ञान 600 साल पहले का है, और आज का DNA विज्ञान भी यही कहता है – दुनिया के किसी भी कोने का इंसान, किसी भी धर्म का इंसान, 99.9 जीन एक जैसे हैं। खून का रंग सबका लाल है। इसलिए लड़ाई 'हिंदू–मुस्लिम' की नहीं, 'इंसान बनाम अज्ञान' की है। संत कबीर द्वारा उजागर की गई इस सच्चाई को भारत के संविधान में भी समाहित किया जा चुका है।

आज 2026 में इस धरती पर लगभग 8.2 अरब इंसान साँस ले रहे हैं। रंग, भाषा, देश अलग हैं, पर भूख, दर्द, मृत्यु का डर और सुख की चाह सबकी एक है। मनुष्य ने 4300 से अधिक धर्म, पंथ, सम्प्रदाय रचे। सवाल यह नहीं कि धर्म कितने हैं, सवाल यह है कि धर्म का इस्तेमाल कौन, कैसे कर रहा है। जब धर्म मंदिर–मस्जिद–चर्च में रहता है तो वह प्रार्थना है, करुणा है। पर जब वही धर्म संसद, चुनावी मंच और टीवी डिबेट में पहुँचता है तो वह वोट–बैंक, दंगा और भेदभाव बन जाता है। धर्म की राजनीति से जनता को आज तक न रोटी मिली, न दवा, न स्कूल। मिला तो सिर्फ पड़ोसी से नफरत का स्थायी लाइसेंस। इसलिए पहला संकल्प यह हो कि धर्म को घर और दिल तक सीमित रखो, उसे गली और सरकार तक मत ले जाओ।

दुनिया बदल चुकी है। आज हर हाथ में विज्ञान है – मोबाइल, दवाई, बिजली, इंटरनेट। फिर भी अप्रमाणिक मान्यताएँ क्यों नहीं छूटतीं? क्योंकि हमें विज्ञान क्यों बताता है, कैसे नहीं। वसुधैव कुटुंबकम संप्रदाय, जातिविहीन तथा चमत्कार नहीं, कर्म से उद्धार वाली सोच का समाज बनाने की बात कहता है। डॉक्टर बता देगा कि कैंसर कैसे हुआ, पर 'मुझे ही क्यों' का जवाब मरीज गीता, कुरान, बाइबिल में खोजता है। घ्ण्ळ के बाहर खड़ा पिता विज्ञान पर भरोसा करता है, पर साथ में हनुमान चालीसा भी पढ़ता है। यह पाखंड नहीं, मानवीय लाचारी है।

वर्तमान विश्व राजनीति भी यही सबक दे रही है। अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच चल रहा तनाव भी यही संदेश दे रहा है कि 21वीं सदी में वही देश निर्णायक शक्ति बने हैं जिन्होंने वैज्ञानिक सोच, तकनीक, शिक्षा और आर्थिक सम्पन्नता को नंबर–1 पर रखा। इजरायल का आयरन डोम किसी चमत्कार की देन नहीं, दशकों की रिसर्च का परिणाम है। अमेरिका की शक्ति उसकी प्रयोगशालाओं, सेमीकंडक्टर, AI से आती है। दूसरी ओर, जहाँ शासन का आधार सिर्फ अंधविश्वास और 'ऊपरवाला देख लेगा' वाली सोच है, वहाँ गरीबी और युद्ध ही मिलते हैं। चमत्कार से मिसाइल नहीं रुकती, सैटेलाइट नहीं बनता। सम्मान तर्क, तकनीक और उत्पादन से मिलता है, भाषणों और ताबीज से नहीं। इसलिए हर समाज को चुनना होगा – बच्चों के हाथ में किताब देंगे या सिर्फ माला?

–200 साल पहले दुनिया और भारत :– विज्ञान के बिना इंसान की असली हालत–

आज से ठीक 200 साल पहले, 1820 में दुनिया की आबादी सिर्फ 100 करोड़ थी। आज 820 करोड़ हैं। उस समय भारत और चीन में 50–60 करोड़ लोग थे, पर सुखी नहीं थे।

1757 प्लासी के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को कच्चे माल का सप्लायर बना दिया। दादाभाई नौरोजी के अनुसार हर साल भारत की कुल कमाई का 6–8 प्रतिशत हिस्सा 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' के रूप में इंग्लैंड चला जाता था। 1800 में दुनिया के कुल औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा 25 प्रतिशत था, 1900 आते–आते 2 प्रतिशत रह गया। ढाका की मलमल, मुर्शिदाबाद की रेशम बर्बाद कर दी गईं। लगान 50 प्रतिशत तक था। 1820 में साक्षरता 3–5 प्रतिशत थी। लड़कियों की शिक्षा 0.1 प्रतिशत से भी कम। 1 लाख आबादी पर 1 डॉक्टर नहीं था। सती प्रथा, बाल–विवाह, छुआछूत – विज्ञान के अभाव में धर्म की आड़ में सब चलता था। औसत आयु 24 साल। 1000 में से 250 बच्चे 1 साल के अंदर मर जाते थे।

तब रोटी, कपड़ा, मकान तीनों का अकाल था:–

–1. भोजन यानी रोटी:– खेती 100 प्रतिशत मानसून के भरोसे थी। न नहर, न ट्यूबवेल, न यूरिया। 1 बीघा में आज जितना गेहूँ होता है, उसका 1/4 भी नहीं होता था। नतीजा – हर 5–7 साल में बड़ा अकाल। 1770 का बंगाल अकाल, 1837 का आगरा अकाल, 1866 का उड़ीसा अकाल – हर बार 10–30 लाख लोग भूख से मरे।

–2. वस्त्र यानी कपड़ा:– कपड़ा सिर्फ हथकरघा से बनता था। 1 धोती बुनने में 15 दिन लगते थे। 1854 में पहली कपड़ा मिल लगी। तब तक आम आदमी के पास 2 जोड़ी कपड़े ही होते थे।

–3. आवास यानी मकान:– 95 प्रतिशत जनता कच्चे घरों में रहती थी। पक्के मकान सिर्फ राजा, सेठ–साहूकार के थे। हैजा, प्लेग से पूरा गाँव साफ हो जाता था।

200 साल पहले भारत 'सोने की चिड़िया' सिर्फ किताबों में था। असली भारत भूखा, नंगा, बीमार, अनपढ़ और गुलाम था। आज 8–लेन हाईवे, AI, मंगलयान, IIT, AIIMS है – यह मन्नत से नहीं, 200 साल की वैज्ञानिक सोच का परिणाम है।

इस वैज्ञानिक युग का सबसे बड़ा विरोधाभास धार्मिक स्थलों पर दिखता है। मंदिर, मस्जिद, दरगाह में CCTV, AC ऑनलाइन दान, फायर–सेफ्टी है, पर भगदड़ में श्रद्धालु मरते हैं। जोधपुर चामुंडा मंदिर में 2008 में 224 लोग कुचल कर मरे। वैष्णो देवी, सबरीमाला, कुंभ, हज में यही होता है। बचाने ऱ्उंइ, डॉक्टर, पुलिस आते हैं – यानी विज्ञान और व्यवस्था से लैस इंसान। इसलिए आस्था के नाम पर भीड़–प्रबंधन और जवाबदेही तय हो।

Pew Research बताता है कि आज 1.2 अरब लोग 'Nones' हैं – नास्तिक या 'कोई धर्म नहीं'। चीन में 52 प्रतिशत, यूरोप में 30–40 प्रतिशत लोग बिना धर्म के सुख–शांति से जी रहे हैं। स्कैंडिनेविया के 'नास्तिक देश' सबसे कम भ्रष्ट, सबसे ज्यादा खुशहाल हैं। नैतिकता के लिए डर नहीं, विवेक चाहिए। 2050 तक धार्मिक लोग 87 प्रतिशत रह जांएगे, पर Nones भी 1.4 अरब हो जाएँगे। धर्म मिटेगा नहीं, रूप बदलेगा।

अब समस्या यह है कि अगले 20 सालों में यह संसार एक मानव समाज में बदल जाए के लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जावे? इस हेतु हमें बच्चों को उनके मूल स्वरूप मानव के रूप में विकसित होने का वातावरण दिया जावे तभी महोपनिषद का यह उद्घोष चरितार्थ होगा – ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' अर्थात पूरी पृथ्वी ही एक परिवार है–। चार सूत्र हैं: 1. शिक्षा – न्यूटन भी पढ़ाओ, कबीर भी। 2. धर्म निजी रखो। 3. पेट की गारंटी – भूखा बाबा के पास जाएगा ही। 4. अंबेडकर का रास्ता – शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।

घर सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। शिशु को जन्म से ही सत्य, करुणा, तर्क, श्रम का सम्मान मिले। बच्चे के सामने जाति–धर्म की बात न हो। जो बीज घर में बोया जाएगा, वही समाज में पेड़ बनेगा।

कोरोना ने दिखाया कि अंतिम समय में न अवतार आया, न पैगंबर। डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी आए। वही असली हनुमान–दुर्गा थे। 'मानव धर्म के उद्धार' का मतलब है – आदमी को आदमी से जोड़ना। बुद्ध ने कहा: –अप्प दीपो भव– – अपना दीपक खुद बनो। भगत सिंह ने कहा: –इंसान को इंसान से मिलने दो–। कबीर का दोहा याद रखें: –''पानी केरा बुदबुदा, यह मानुष की जात। एक दिन छिप जाएंगे, ज्यों तारे प्रभात।।''– जीवन क्षणभंगुर है। नफरत में समय बर्बाद मत करो।

अत: कृतसंकल्प हो जाओ कि बच्चों को हिंदू–मुस्लिम बाद में, पहले इंसान बनाएँगे। सवामणी की जगह स्कूल, चढ़ावे की जगह अस्पताल माँगेंगे। जब तक आखिरी इंसान भूखा है, कोई ईश्वर खुश नहीं हो सकता।

मानव ही धर्म है। कर्म ही पूजा है। विज्ञान ही साधन है। करुणा ही मंजिल है।

इसी को 'मानव धर्म' कहते हैं। इसी के उद्धार के लिए हम सब कृतसंकल्प हों।

–मदन सिंह काला,
सेवानिवृत्त आई.ए.एस

राजस्थान में साक्षरता की धीमी रफ्तार : सिक्किम भी हुआ सम्पूर्ण साक्षर

राजेन्द्र जोशी

वर्ष 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरुआत के साथ देश में साक्षरता आंदोलन ने एक जनांदोलन का स्वरूप ग्रहण किया था। इसका उद्देश्य केवल पढ़ना–लिखना सिखाना नहीं था, बल्कि समाज में जागरूकता, आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन की चेतना विकसित करना भी था। राजस्थान में भी यह अभियान व्यापक स्तर पर संचालित हुआ। सरकार, समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षाविदों तथा लाखों साक्षरता कार्यकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों से गांव–ढाणी तक साक्षरता का संदेश पहुंचा। परिणामस्वरूप प्रदेश ने विशेषकर 1991 से 2011 के बीच साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की और महिला साक्षरता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई।

राजस्थान एक समय देश के सबसे कम साक्षर राज्यों में गिना जाता था। साक्षरता अभियान के दौरान जिस प्रकार सामाजिक सहभागिता विकसित हुई, उसने शिक्षा के प्रति जनमानस का दृष्टिकोण बदला। गांवों में साक्षरता केंद्र खुले, स्वयंसेवकों ने घर–घर संपर्क किया और बड़ी संख्या में प्रौढ़ शिक्षार्थी शिक्षा से जुड़े।

इस दौर में साक्षरता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि सामाजिक चेतना का माध्यम बन गई। साक्षरता अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया। अनेक जिलों में महिलाएं पहली बार शिक्षा के दायरे में आईं। उन्होंने न केवल पढ़ना–लिखना सीखा बल्कि अपने अधिकारों, स्वास्थ्य, स्वच्छता, परिवार कल्याण और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर भी जागरूकता प्राप्त की। यही कारण रहा कि 1991 से 2011 के बीच राजस्थान की महिला साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस अवधि में प्रदेश की कुल साक्षरता दर में भी तेजी से सुधार हुआ और इसे साक्षरता के क्षेत्र में 'क्वांटम जंप' के रूप में देखा गया।

राजस्थान की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यहां स्वतंत्र साक्षरता निदेशालय स्थापित है। प्रत्येक जिले में साक्षरता से संबंधित स्वतंत्र व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में अनुभवी शिक्षाविद, संदर्भ व्यक्ति, कला जत्थे, स्वयंसेवी संगठन तथा प्रौढ़ शिक्षा से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ता उपलब्ध हैं। इसके बावजूद वर्तमान स्थिति चिंता का विषय है। देश की औसत साक्षरता दर लगभग 80.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि राजस्थान की साक्षरता दर लगभग 75.8 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि प्रदेश अपनी संभावनाओं के अनुरूप प्रगति नहीं कर पा रहा है। विशेष चिंता की बात यह है कि राजस्थान आज भी साक्षरता के मामले में देश के पिछड़े राज्यों में शामिल है। प्रश्न यह उठता है कि जब संसाधन, संस्थागत व्यवस्था और अनुभव उपलब्ध हैं, तो अपेक्षित परिणाम क्यों नहीं मिल रहे हैं?

इस स्थिति का एक प्रमुख कारण साक्षरता कार्यक्रमों का जनांदोलन स्वरूप खो देना है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के शुरुआती वर्षों में सामाजिक सहभागिता इसकी सबसे बड़ी ताकत थी। गांवों में शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अभियान चलाते थे। समय के साथ यह अभियान अधिकतर सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गया। समाज की सक्रिय भागीदारी घटने लगी और साक्षरता कार्यों में जनउत्साह कम होता गया। किसी भी सामाजिक अभियान की सफलता केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं होती, उसके लिए व्यापक सामाजिक सहयोग आवश्यक होता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण प्रौढ़ शिक्षा पर अपेक्षित ध्यान न दिया जाना है। वर्तमान समय में प्रौढ़ शिक्षा को नई तकनीक, डिजिटल साधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। महिला साक्षरता भी अभी चुनौती बनी हुई है। सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनेक महिलाएं शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। महिला साक्षरता में वृद्धि किए बिना प्रदेश की कुल साक्षरता दर को राष्ट्रीय औसत से ऊपर ले जाना कठिन होगा।

प्रदेश के दूरस्थ रेगिस्तानी और आदिवासी क्षेत्रों में भी विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। स्थानीय भाषा, लोक संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता को साक्षरता कार्यक्रमों से जोड़कर बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। साक्षरता निदेशालय और जिला स्तर की व्यवस्थाओं को भी परिणाम आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। केवल योजनाओं का संचालन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभाव का नियमित मूल्यांकन भी आवश्यक है। प्रत्येक जिले के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएं और उनकी समयबद्ध समीक्षा हो। साथ ही शिक्षाविदों, स्वयंसेवी संस्थाओं और अनुभवी साक्षरता कार्यकर्ताओं को पुन: सक्रिय भूमिका में लाया जाए।

आज जब देश के कई राज्य पूर्ण साक्षरता की दिशा में सफलता प्राप्त कर चुके हैं और हाल ही में सिक्किम ने भी पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य हासिल किया है, तब राजस्थान के लिए आत्ममंथन का समय है। प्रदेश के पास संसाधनों की कमी नहीं है, आवश्यकता केवल मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और व्यापक सामाजिक भागीदारी की है। यदि साक्षरता को पुन: जनांदोलन का स्वरूप दिया जाए, प्रौढ़ शिक्षा को नई ऊर्जा प्रदान की जाए तथा महिलाओं और वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए, तो राजस्थान भी साक्षरता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

साक्षरता केवल आंकड़ों की वृद्धि नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक चेतना की आधारशिला है। राजस्थान ने अतीत में यह सिद्ध किया है कि सामूहिक प्रयासों से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि साक्षरता के उस स्वर्णिम आंदोलन की भावना को पुनर्जीवित किया जाए, जिसने कभी गांव–ढाणी तक जागरूकता की नई रोशनी पहुंचाई थी। यदि ऐसा किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान भी देश के अग्रणी साक्षर राज्यों की श्रेणी में सम्मानपूर्वक स्थान प्राप्त करेगा।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद–साहित्यकार।

राशिफल मंगलवार 2 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, मूल नक्षत्र रात्रि 10:06 तक, साध्य योग प्रात: 7:16 तक, तैतिल करण प्रात: 5:50 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज राजयोग रात्रि 10:06 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:07 तक, शुभ 3:49 से 5:30 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

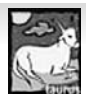

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

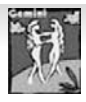

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। उचित सफलता मिल सकती है।

सिंह

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य आज शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें : चिन्मयी गोपाल

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संपर्क पोर्टल, एमएमजेएस पोर्टल एवं दैनिक जन सुनवाई से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी संपर्क पोर्टल एवं दैनिक जन सुनवाई के प्रकरणों की प्रभावी मोनेटरिंग के साथ त्वरित निस्तारण का प्रयास करें। ताकि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को राहत मिल सके। जिला कलक्टर ने बाड़मेर जिले में बिजली, पानी की उपलब्धता एवं आपूर्ति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने नगर परिषद आयुक्त को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आवारा पशुओं की धरपकड़ करके गौशाला में भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान बजट घोषणा वर्ष 2026-27 की समीक्षा करते हुए उनकी प्रभावी मोनेटरिंग के साथ यथाशीघ्र क्रियान्विति के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने समीक्षा बैठक के दौरान फ्लैगशिप योजनाओं सड़क निर्माण कार्यो एवं वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक इस्तेमाल रोकने के प्रभावी कार्यवाही करने एवं जोधपुर डिस्कॉम के अधिकारियों को जर्जर विद्युत पोल बदलने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवणसिंह राजावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य, उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर, कोषाधिकारी जसराज चौहान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्र प्रतापसिंह भाटी, नगर परिषद आयुक्त भगवतसिंह परमार, अधीक्षण अभियंता सुराराम चौधरी, हजारीराम बालवा, अशोक कुमार, डॉ. नारायण सिंह सोलंकी, कमलेश कुमार, प्रहलाद सिंह राजपुरोहित, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.विष्णुराम विश्नोई, जिला आयोजना अधिकारी नखताराम ईशराम, जिला रसद अधिकारी कंवराराम, जिला शिक्षा अधिकारी देवाराम चौधरी, सहायक वन संरक्षक छोटूसिंह भाटी समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाड़मेर में जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संपर्क पोर्टल, एमएमजेएस पोर्टल एवं दैनिक जन सुनवाई से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा की। फोटो-राष्ट्रदूत

मंदिर परिसरों की चारदीवारी तोड़ने पर जताया रोष

जोधपुर, (कासं)। आंगणवा क्षेत्र स्थित खसरा संख्या 73 एवं 74 में जेडीए द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान गंगा मैया मंदिर एवं बाबा रामदेव मंदिर की चारदीवारी को तोड़े जाने के विरोध में युवा कांग्रेस जोधपुर के जिलाध्यक्ष पुखराज दिवराया के नेतृत्व में कलेक्टर के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच एवं मंदिर परिसरों की भूमि के नियमितीकरण एवं आवंटन की मांग की गई। ज्ञापन के माध्यम से पुखराज दिवराया ने कहा कि उक्त धार्मिक स्थल कोई नए निर्माण नहीं हैं, बल्कि पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से क्षेत्रवासियों की आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता के केंद्र रहे हैं। इन मंदिर परिसरों के नियमितीकरण एवं भूमि आवंटन के संबंध में पूर्व में ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित कर संबंधित विभागों को पत्राचार भी किया गया था तथा नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित थी। इसके बावजूद केवल इन मंदिर परिसरों पर कार्रवाई किया जाना अनेक गंभीर सवाल खड़े करता है। दिवराया ने कहा कि यदि प्रशासन अतिक्रमण हटाने को लेकर गंभीर है तो कानून का पालन सभी पर समान रूप से होना चाहिए। क्षेत्र में हाल ही में निर्मित कई चारदीवारियां एवं निर्माण आज भी यथावत मौजूद हैं, जबकि वर्षों पुराने धार्मिक स्थलों एवं दलित समाज से जुड़े परिसरों पर कार्रवाई की गई है, जिससे भेदभाव की आशंका उत्पन्न होती है।

इस दौरान चेतन जयपाल, पूर्णप्रकाश मेघवाल, मानाराम मेघवाल, भंवरलाल, दिनेश मेघवाल, बालूराम, दुर्गाराम, गिरधारी लाल, गोकुलराम, अजीत जावा, अभिषेक मेहरा, राजू चौहान, सुनील कड़ेला आदि साथ रहे।

जालोर में भाजपा ग्रामीण मंडल का समारोह आयोजित

जालोर में भाजपा ग्रामीण मंडल ने ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ओबाराम देवासी एवं एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल के सम्मान में स्वागत एवं सम्मान समारोह किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कांस)। भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल द्वारा भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ओबाराम देवासी एवं एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल के सम्मान में स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पर दोनों पदाधिकारियों का साफा एवं दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रेमाराम देवासी ने कहा कि संगठन द्वारा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां देना उनकी मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा का सम्मान है।

सम्मान समारोह में पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़, मंडल महामंत्री स्वरूप सिंह रेवत, जिला कार्यालय मंत्री डिंपल सिंह, मेघराज चौधरी, भूरसिंह, देवकीजी, जबराराम माली, मंगनाराम चौधरी, हितेश साथु, पुखराज चौधरी, धुपाराम देवासी, नेनाराम, लछाराम, ओबाराजी भील सहित कई जने उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती एवं कार्यकर्ताओं के सम्मान की परंपरा भाजपा की विशेष पहचान है।

ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर ओबाराम देवासी तथा एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर बाबूलाल मेघवाल का गुर्जर समाज द्वारा भगवान श्री देवनारायण मंदिर परिसर में भी सम्मान किया गया। इस दौरान पूर्व पार्षद अशोक गुर्जर, भैरूसिंह गुर्जर, पार्षद प्रत्याशी जालम सिंह गुर्जर, दलपत सिंह, दिनेश, केसर सिंह, नारायण, विक्रम, नरेन्द्र सिंह, गणपत सिंह सहित युवाओं ने दोनों नेताओं का स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

मुस्लिम वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, जालोर की ओर से भी ओबाराम देवासी का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टो ने अपनी कमेटी के सदस्यों के साथ ओबाराम देवासी को माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न समाजों एवं संगठनों द्वारा किए गए सम्मान को सामाजिक समरसता, सौहार्द एवं एकता का प्रतीक बताया गया। लोगों ने विश्वास जताया कि दोनों पदाधिकारी संगठन एवं समाज के हित में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

भा.वि.प. के योग संकल्प पोस्टर का विमोचन

भारत विकास परिषद् जालोर के तत्वावधान में योग दिवस की तैयारी व जन जागरूकता को लेकर जिला कलेक्टर डॉ.प्रदीप के.गावंडे ने पोस्टर का विमोचन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। भारत विकास परिषद् जालेर के तत्वावधान में आगामी योग दिवस की तैयारी व प्रतिदिन योग करने की जन जागरूकता को लेकर जिला कलेक्टर आज डॉ.प्रदीप के.गावंडे द्वारा पोस्टर का विमोचन, उनके कक्ष मे सोमवार को "करें योग, रहे निरोग" के स्लोगन के साथ किया गया। पोस्टर का मुख्य उद्देश्य आमजन को योग के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाया जाना है।

परिषद् अध्यक्ष एवं योग प्रशिक्षक राजेंद्र भूतड़ा ने बताया कि अगर हर व्यक्ति अपने शरीर के लिए आधे घंटे से 1 घंटे का समय देता है। इसमें वह योग करें ,व्यायाम करें, साइकलिंग करें या रनिंग करें। किसी भी माध्यम से वर्कआउट कर स्वयं जीवन भर निरोगी रह सकता है।

सचिव शांतिलाल सोनी ने बताया कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है इसे हम संजो कर रखें।

इस अवसर पर परिषद की प्रांतीय महिला सहभागिता संयोजक मधु शेखावत, जिला महिला समन्वयक मंजू चौधरी, शाखा अध्यक्ष राजेंद्र भूतड़ा, सचिव शांतिलाल सोनी, संस्कार प्रकल्प प्रभारी महेंद्र आनंद वैष्णव, सेवा प्रकल्प प्रभारी कमल किशोर भूतड़ा, स्थाई प्रकल्प प्रभारी प्रेम कुमार परमार, शाखा महिला संयोजक सीता सुन्देशा, एडवोकेट रामप्रकाश खवानी , एडवोकेट श्रवण सिंह सिसोदिया, ,प्रेम सिंह राठौड़ , मिश्रीमल गर्ग, अशोक कुमार सोनी , भेरूलाल सोनी एवं अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

लेन देन के विवाद में घर पर हमला

जोधपुर, (कासं)। न्यू पावर हाउस रोड स्थित इसाईयों का कब्रिस्तान गली नंबर 2 में रविवार की रात को कुछ युवक गाडिय़ां लेकर पहुंचे और एक घर पर हमला कर दिया। युवकों ने हाथों में लोहे के पाइप थे। हमला करते हुए वहां रखे तीन चार वाहनों के शीशे भी फोड़ दिए। बाद में घर के सदस्यों ने हिम्मत दिखाई और बाहर से आए युवकों से भिड़ गए। इससे एक युवक को पैर फ्रेक्चर हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन युवकों को देर रात शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना को लेकर परस्पर केस दर्ज किया है।

शास्त्रीनगर थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि इसाईयों का कब्रिस्तान,गली नंबर 2, कमला नेहरू कॉलोनी निवासी मानसिंह ने मामला दर्ज कराया है ।इसमें बताया कि रविवार की रात सवा नौ बजे के आस-पास गुलशन, नरपत, तेजाराम आदि गाडिय़ों पर सवार होकर आए उसके घर पर हमला किया। वहां रखी गाडिय़ों में तोडफ़ोड़ करने लगे।

थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि वहीं कुड़ी गंगा विहार के गुलशन ने रिपोर्ट दी कि उसे मानसिंह ने अपने यहां पर बुलाया गया और फिर उस पर हमला किया गया। गुलशन के एक पैर को फ्रेक्चर हो गया है और अस्पताल में भर्ती कराया। पर्चा बयान पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

थानाधिकारी जुल्फिकार ने बताया कि तीन युवकों गणपत पटेल, सुंडाराम एवं तेजाराम को रात में शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। आरंभिक तौर पर हमले का कारण रूपयों का लेन देन विवाद है। किसी ठेका कार्य के रूपए बकाया होना बताया जाता है। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

शिविर लगेगे

बालोतरा, (नि.सं.)। जून माह में पंचायत समितियों में अटल जन सेवा शिविर लगेगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने जानकारी दी।

पाली में कांग्रेस का प्रदर्शन

महंगाई, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस के दाम, बेरोजगारी, बिजली-पानी की समस्याओं एवं पेपर लीक के विरोध में पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस के दाम, बेरोजगारी, बिजली-पानी समस्याओं एवं पेपर लीक के विरोध में केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हकीम भाई के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध-प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा । प्रवक्ता असगर कुरैशी ने बताया की विधायक भीमराज जी भाटी

महावीर सिंह सुकरलाई, शोभा सोलंकी, हाजी मेहबुब टी, ओमा चौधरी, भंवर राव, प्रकाश सांखला, मदनसिंह जागरवाल जावेद सिरोहा, गोरधन देवासी दिलीप ओड, महेश जोशी, प्रकाश चौहान,आमीन अली रंगरेज, अमजद अली रंगरेज, शकील अहमद नागोरी, मांगुसिंह दुदावत, रफीक चौहान, कृष्ण सांसी, ताराचंद चन्दनानी, शहजाद शेख, फकीर मोहम्मद सिंधी, सुरबाला काला, लाल मोहम्मद सिंधी,रामचंद्र बुनकर, भेराराम गुर्जर, जीवराज चौहान, रमेश चौधरी, ईंशाफ मोयल चंद्रकांत मारू, रमजान सामरीया,मुलचंद सकलेचा, मासुम अली मेव, लक्ष्मण कच्छवाहा, दिनेश दवे, जीशान अली रंगरेज,सत्तार भाई पठान, जावेद पठान, अजीज भाई सिंधी, रफीक भाई अब्बासी, इकबाल शेख, फारुख रंगीला, मुकेश देवासी, शोकत अली, इमरान नागोरी, चांद भाई, रशीद भाई, रमेश जी तुनगारीया, गुलाम नबी पठान,अब्दुल रशीद, चेलाराम रारारबड़ा, मांगीलाल, मोनु नाज, राजु सोलंकी, रफीक अब्बासी, मकसुद चुड़ीगर, मांगीलाल सोलंकी, ताराचंद टाक,दिलीप सिंह राजपुरोहित, अनवर सुहाना, अनवर शाह, बस्ती मामा, फेयाज बुखारी, बाबु भाई कीर,भुराराम, संजय परमार रिजवान चढ्वा, जावेद गोरी गोविन्द मेवाड़ा अनवर बा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

पाली के झूलेलाल मंदिर में कथा महोत्सव शुरू

पाली, (नि.सं.)। सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। सुंदरकांड सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कलश यात्रा संत गोपाल राम महाराज (ब्यावर), संत रविराम महाराज एवं संत गोविंद राम महाराज के सानिध्य में निकाली गई। श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे और भगवान के जयघोष के साथ दामोदर नदी से कलशों में पवित्र जल भरकर मंदिर परिसर तक शोभायात्रा निकाली तथा विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय नारों और भजनों से गूंज उठा।

रामस्नेही संत गोपाल राम महाराज ने कहा कि कलश यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का ऐसा दिव्य ठांथ है जो मनुष्य के दुखों को दूर करने तथा मोह-माया से मुक्ति का मार्ग दिखाता है। कलियुग में भागवत का श्रवण जीवन को दिशा प्रदान करता है। संत ने नारद ऋषि के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि सत्संग के प्रभाव से दासी पुत्र नारद देवर्षि बने।

नीरज कुमारी ने टीम के साथ दुर्गम पहाड़ी रास्ते पर चलकर जनगणना की

- नीरज कुमारी तहसीलदार ने दुर्गम रास्तों को पार कर किले पर भवन गणना कार्य कराया

जसवंतपुरा, (नि.सं.)। राजस्थान की वीरभूमि शौर्य, त्याग और गौरवशाली इतिहास के लिए सदैव पहचानी जाती रही है। अरावली पर्वतमालाओं की गोद में बसा जसवंतपुरा भी इसी गौरवशाली विरासत का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। मध्यकाल में 'जोधपुर दरबार के महल (हिज हाइनेस बंगला)' के नाम से प्रसिद्ध जसवंतपुरा का ऐतिहासिक किला आज भी अतीत की वीरगाथाओं का जीवंत साक्षी बना हुआ है। इसी ऐतिहासिक धरोहर पर इन दिनों जनगणना जैसे राष्ट्रीय महाअभियान के दौरान एक प्रेरणादायी प्रशासनिक उदाहरण देखने को मिला, जिसने स्थानीय प्रशासनिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। जसवंतपुरा तहसीलदार नीरज कुमारी ने अपनी टीम के साथ दुर्गम पहाड़ी रास्तों को पार कर पहाड़ी पर स्थित किले तक पहुंचकर जनगणना के भवन गणना कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया।

जानकारी के अनुसार जनगणना अभियान के तहत जब प्राचीन किले तक पहुंचकर आंकड़े जुटाने का विषय सामने आया, तब तहसील के रीडर गणपतदान चारण ने किले के गौरवशाली इतिहास से तहसीलदार नीरज कुमारी को अवगत कराया। इतिहास की इस अमूल्य धरोहर के प्रति उनके मन में विशेष जिज्ञासा और सम्मान उत्पन्न हुआ। पूर्व विधायक नारायण सिंह रानीवाड़ा, ठा. पूरणसिंह गजापुरा तथा ठा. मनोहर सिंह चांदूर ने सुझाव दिया कि इस दुर्गम धरोहर पर जनगणना का कार्य स्वयं तहसीलदार को जाकर संपन्न करना चाहिए। यह कार्य किसी चुनौती से कम नहीं था, क्योंकि किले तक पहुंचने का मार्ग लगभग 10 से 12 किलोमीटर लंबा, पथरीला और अत्यंत दुर्गम पहाड़ी रास्ता है।

तहसीलदार नीरज कुमारी ने पारंपरिक प्रशासनिक शैली से अलग हटकर स्वयं पैदल दुर्गम चढ़ाई तय करने का निर्णय लिया। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों पर उनके बढ़ते कदम केवल एक अधिकारी के कदम नहीं थे, बल्कि वे प्रशासनिक समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और ऐतिहासिक चेतना के प्रतीक बन गए। प्राचीन किले के प्रांगण में पहुंचकर तहसीलदार ने राजस्व विभाग, वन विभाग एवं जनगणना टीम के साथ मिलकर भवन गणना कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। उस क्षण मानो इतिहास और वर्तमान का एक अद्भुत संगम देखने को मिला।

तहसीलदार नीरज कुमारी ने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम को देते हुए कहा कि अकेला चना कभी भाड़ नहीं फोड़ सकता। चार्ज अधिकारी कभी अकेले कुछ नहीं कर सकते। यह पूरी तरह संयुक्त टीमवर्क का परिणाम है। बिना प्रगणकों और सुपरवाइजर्स के यह संभव नहीं था। उन्होंने जनगणना टीम के प्रगणक संजय कुमार, मूलाराम, विनोद, दीपचंद सहित राजस्व विभाग के जोगेंद्र सिंह, गणपतदान, ओमप्रकाश, राकेश, रेखा मीणा, रामनरेश, भूराराम, ईश्वर सेन तथा वन विभाग के देवीसिंह, ओमजी, प्रभुराम एवं दोनों महिला सहयोगियों के योगदान की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

किशोर गृह का निरीक्षण, गर्मी से बचाव के निर्देश

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के सचिव उमेश वीर ने राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश बन्नालाल जाट के निर्देशन में प्राधिकरण के सचिव उमेश वीर ने सोमवार को राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने सम्प्रेषण व सुरक्षित गृह में विधि से संघर्षरत बालकों से वार्तालाप कर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालकों से उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालकों को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जिन बालकों के प्रकरणों में पैरवी के लिए अधिवक्ता नियुक्त नहीं है वे निशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बालकों से उनके प्रकरणों में जमानत, अपील आदि के बारे जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उमेश वीर ने शिशु गृह का भी निरीक्षण किया और उपस्थित स्टाफ को समय समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण करवाने सहित उनके खान पान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। सचिव ने रसोई घर का भी निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बालकों को उचित गुणवत्ता वाला भोजन दिया जावे। उपस्थित डॉक्टरों को भी निर्देश दिए कि वे समय समय पर बालकों व शिशु के स्वास्थ्य की जांच करते रहे। इस दौरान अधीक्षक मोर कंवर, केयर टेकर लकमाराम, डाक्टर बाबूलाल व डॉक्टर सूरज राजपुरोहित, न्याय मित्र प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

गौशाला में हरा चारा व पानी के टैंकर भेंट किए

जालोर, (नि.सं.)। भारत विकास परिषद जालोर द्वारा शनिवार को शहर के निकट स्थित गौ रक्षा सेवा संस्थान गोल निंबड़ी, गौशाला जालौर में सेवा व संस्कार प्रकल्प के तहत नौतपा की भीषण गर्मी में गौशाला में बीमार व अशक्त गौ वंश की सेवा हेतु परिषद की महिला मंडल सदस्यों एवं उनकी प्रेरणा से प्राप्त सहयोग से गौशाला में स्थित करीब 1150 गौ वंश को 20 क्विंटल हरा चारा खिलाया गया।

उनके पेयजल हेतु 11 टैंकर पानी के डलवाए जाकर गौ सेवा की गई। सर्व प्रथम पंडित पवन दाधीच द्वारा गौ पूजन कर अधिकमास में गौ सेवा के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। परिषद के प्रांतीय सेवा संयोजक मदनलाल माली ने बीमार व अशक्त गौ वंश की सेवा को अत्यंत पुण्य का काम बताते हुए जीवदया के महत्व की जानकारी दी। प्रांतीय महिला संयोजक मधु शेखावत ने नौतपा की भीषण गर्मी में परिषद द्वारा गौशालाओं में हरा चारा व पेय जल के लिए आभार व्यक्त कर मूक प्राणियों की सेवा के प्रति जागरूकता रखते हुए अधिकाधिक गौ सेवा करने का आव्हान किया। जिला महिला समन्वयक मंजू चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रांतीय संयोजक सेवा मदन लाल माली, प्रांतीय महिला संयोजक मधु शेखावत, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष व संरक्षक पदमाराम चौधरी, अध्यक्ष राजेंद्र भूतड़ा, सचिव शांतिलाल सोनी, कोषाध्यक्ष शंकर लाल सोलंकी, जिला महिला समन्वयक मंजू चौधरी, शाखा महिला संयोजक सीता सुन्देशा आदि मौजूद रहे।

जैविक खेती प्रशिक्षण, जल स्रोत पूजन संपन्न

जालोर, (कासं)। प्रदेश भर में 25 मई से 5 जून तक आयोजित किये जा रहे वंदे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं कृषि क्षेत्र में जागरूकता लाने के लिए सोमवार को जिला कलैक्टर की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्र, केशवना में संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ।

कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिला कलक्टर ने कृशि एवं उद्यान विभाग के साथ ही कृशकों को जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु विभागीय योजनाओं के बेहतर संचालन के निर्देष दिए। उन्होंने हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत अधिकाधिक वृक्षारोपण करने पर जोर दिया। कृशि एवं उद्यान विभाग के साथ कृशि विज्ञान केन्द्र केषवणा की सहभागिता से जिला स्तरीय कार्यक्रम में परम्परागत कृशि विकास योजनान्तर्गत जैविक खेती प्रषिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 150 कृषकों ने भाग लिया। कृषि विस्तार के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट द्वारा जल प्रबन्धन के अन्तर्गत फव्वारा सिंचाई, ड्रिप सिंचाई के साथ पाईपलाईन द्वारा सिंचाई कर जल बचत कर आधुनिक ढंग की उन्नत खेती कर अधिकाधिक कृशि उत्पादन लेने की सलाह कृशकों को दी गई। डॉ. पवन पारीक व कृशि वैज्ञानिक सुमन षर्मा द्वारा जैविक खेती का परिचय, उपयोगिता व वर्तमान की आवष्यकता पर चर्चा की गई। कृषि विभाग के सहायक निदेशक सुभाशचन्द्र द्वारा जैविक बीज उत्पादन, नर्सरी पौध तैयारी तथा जैविक प्रमाणीकरण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। जैविक खेती आधारित वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत, बीजामृत, संजीवक वर्मीवास, दस पर्णी घोल, अग्निअस्त्र, नीमाअस्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि की सजीव प्रदर्शनी लगाई। योजनाओं यथा- फार्म पौण्ड व पाईपलाईन की जारी की गई प्रशासनिक स्वीकृतियां कृशकों को वितरित की गई, साथ ही उद्यान विभाग से सौर ऊर्जा संयंत्र से लाभान्वित कृशक मदनसिंह को प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। कृशि विज्ञान केन्द्र केषवणा में स्थापित जल संग्रहण ढांचें में जल पूजन किया गया एवं इन्द्र भगवान से वर्शा कर खेतों को हरा-भरा करने की प्रार्थना की गई। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान जयपुर की प्रतिनिधि सुनीता हरितवाल द्वारा वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 के अन्तर्गत विभागीय गतिविधियों के बारे में प्रकाष डाला गया। कार्यक्रम में अमित आहूजा, राजेन्द्र प्रसाद सामोता, विश्णु कुमार व अन्य फील्ड के अधिकारी-कार्मिकों व कृषकों ने भाग लिया। कैच द रेन कार्यक्रम, जल संचय जन भागीदारी अंतर्गत कार्यक्रम, जल उपयोगिता संगमों द्वारा कार्यक्रम, कार्यो का शिलान्यास व भूमि पूजन, पूर्ण कार्यो का अवलोकन, लोकार्पण, आरटीडब्ल्यूएचएस निर्माण हेतु तकनीकी जानकारी देना, जल बचत के लिए जागृति, जल परीक्षण अभियान, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के कार्यो का लोकार्पण व नवीन कार्यो की स्वीकृतियां जारी की जाएंगी।

पाटन के ग्राम पंचायत न्यौराणा में मनरेगा में काम नहीं मिलने से मजदूरों में रोष

मजदूरों ने पंचायत कार्यालय पर ताला जड़ा, रोजगार की मांग को लेकर धरने पर बैठे

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत न्यौराणा में सोमवार को मनरेगा मजदूरों का आक्रोश उस समय फूट पड़ा, जब उन्होंने काम नहीं मिलने और कथित भेदभाव से नाराज होकर पंचायत कार्यालय पर ताला जड़ दिया। बड़ी संख्या में श्रमिक पंचायत भवन के बाहर धरने पर बैठ गए और नियमित रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की।

मजदूरों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी मनरेगा श्रमिकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। उनका कहना है कि पंचायत में बार-बार मनरेगा कार्य बंद कर दिए जाते हैं, जबकि आसपास की पंचायतों में लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न्यौराणा के जॉब कार्डधारी श्रमिकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रमिकों ने बताया कि कई बार मांग करने के बावजूद उन्हें काम नहीं दिया जा रहा है। रोजगार के अभाव में परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका आरोप है कि मनरेगा में केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही काम दिया जाता है, जबकि अन्य पात्र श्रमिकों को जानबूझकर वंचित रखा जा रहा है।आक्रोशित मजदूरों ने पंचायत भवन पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और चेतावनी दी कि जब तक नियमित रूप से काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तथा भेदभाव समाप्त नहीं होगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।ग्रामीणों ने प्रशासन से न्यौराणा पंचायत में मनरेगा कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने तथा सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्राम पंचायत न्यौराणा में मजदूरों ने पंचायत कार्यालय के बाहर नारेबाजी की।

- **श्रमिकों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी मनरेगा श्रमिकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहे हैं**

पाटन पंचायत समिति की विकास अधिकारी शशि बाला ने बताया कि नर्सिंगवाला में चल रहा मनरेगा कार्य सात दिन पहले पूरा हो चुका था। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर समझाइश के बाद पंचायत कार्यालय का ताला खुलवा दिया। साथ ही आश्वासन दिया कि ग्रामीणों के लिए शीघ्र ही नए मनरेगा कार्य स्वीकृत करवाकर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर/पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पाली-प्रथम टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए लाटाडा तहसील बाली जिला पाली के पटवारी विक्रम को आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार आरोपित पटवारी द्वारा परिवादी से पूर्व में क्रय की गई भूमि के नामांतरण एवं विभाजन की एवज में 11 हजार रुपये की मांग की गई थी, जिसमें से 5 हजार रुपये पूर्व में ले लिए गए थे। इसके अतिरिक्त परिवादी की माता के नाम पटवार हल्का लाटाडा स्थित भूमि खसरा संख्या 80 के सीमांकन के लिए 2 हजार रुपये की और मांग की जा रही थी। इस प्रकार पूर्व में किए गए कार्यों एवं वर्तमान कार्यों के एवज में कुल 8 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा था।

- **परिवादी से क्रय की गई भूमि के नामांतरण एवं विभाजन की एवज में 11 हजार रुपये की मांग की गई थी**

शिकायत प्राप्त होने पर एसीबी चौकी पाली-प्रथम द्वारा मामले का सत्यापन किया गया। इसके बाद एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में तथा एसीबी पाली-प्रथम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र डुकिया के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान आरोपित पटवारी विक्रम को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार किया है। एसीबी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है।

13 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

बबाई पुलिस ने आरोपी को शाहजहांपुर पुलिस को सौंपा

खेतड़ी, (निसं)। जिले में बबाई थाना पुलिस ने स्थायी वारंटी राजपाल उर्फ हाथिड़ा को गिरफ्तार कर संबंधित पुलिस थाने को सुपुर्द कर दिया। आरोपी लंबे समय से न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित चल रहा था। बबाई थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

थानाधिकारी राजपाल उपनिरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खेतड़ी द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित राजपाल उर्फ हाथिड़ा पुत्र मालाराम निवासी दलेलपुरा, थाना बबाई, जिला झुंझुनूं को दस्तयाब किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पुलिस थाना शाहजहांपुर, जिला कोटपुतली-बहरोड़ को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जोधपुर के मंडोर उद्यान में टॉय ट्रेन से गिरी मासूम की मौत, युवती घायल

जोधपुर, (कासं)। मंडोर गार्डन में अपने माता-पिता के साथ घूमने आई पांच साल की एक मासूम बच्ची की टॉय ट्रेन से नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने आज कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया।

- **आरोप है कि ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद तेजी से ब्रेक लगा दिया**
- **घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन किया**

जानकारी के अनुसार बंबा निवासी मोहम्मद हबीब अपने परिवार के साथ मंडोर उद्यान घूमने गया था। वहां वह टॉय ट्रेन में परिवार सहित बैठा था। इस दौरान ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद तेजी से ब्रेक लगा दिया। ब्रेक का झटका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठी मोहम्मद हबीब की पांच साल की मासूम बच्ची उछलकर बाहर जा गिरी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बच्ची टॉय ट्रेन के चक्कों के नीचे आ गई। इसके साथ ही मुस्कान नामक एक अन्य युवती भी घायल हो गई। उन्हें घायलावस्था में मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल युवती का फिलहाल इलाज चल रहा है। इस घोर लापरवाही को लेकर मृतका के पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में टॉय ट्रेन ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि ड्राइवर की लापरवाही और तेज गति से ट्रेन चलाने के कारण ही उनकी बेटी की जान गई है और एक अन्य युवती अस्पताल पहुंच गई।

भीषण गर्मी व लू के चलते ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप ने जैसलमेर यात्रा बीच में छोड़ी

सोमवार सुबह टिफनी ट्रंप का जैसलमेर के दो सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पटवों की हवेली गड़ीसर सरोवर का दौरा प्रस्तावित था

जैसलमेर, (निसं)। मरुस्थलीय क्षेत्र में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और रिकॉर्ड तोड़ लू के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की छोटी बेटी टिफनी ट्रंप को अपना जैसलमेर का सोमवार का तय कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है।

टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ एक निजी सांस्कृतिक यात्रा पर रविवार को जैसलमेर पहुंची थीं। रविवार शाम को जब टिफनी ट्रंप प्राइवेट जेट से जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट उतरीं, तो जिला प्रशासन द्वारा उनका राजस्थानी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। उन्होंने रविवार शाम को ही ई-गोल्फ कार्ट में बैठकर विश्व प्रसिद्ध सोनार दुर्ग का भ्रमण किया था। किले के इतिहास और वहां आज भी रह रहे स्थानीय लोगों के बारे में जानकर उन्होंने इसे " अविश्वसनीय" बताया। रात में वे सम रोड स्थित पांच सितारा होटल के बेहद आलीशान विला में रुकी थीं, जहां अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का कड़ा पहरा था। सोमवार सुबह टिफनी ट्रंप का जैसलमेर के दो सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पटवों की हवेली गड़ीसर सरोवर का दौरा प्रस्तावित था।

- **टिफनी ट्रंप जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट से अपने प्राइवेट विमान द्वारा गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गई**
- **टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ एक निजी सांस्कृतिक यात्रा पर रविवार को जैसलमेर पहुंची थीं**

कार्यक्रम रद्द होने की मुख्य वजह :-जैसलमेर में इन दिनों नौतपा के चलते आसमान से आग बरस रही है। भीषण गर्मी और लू के चलते सुरक्षा मानकों तथा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस खुले पर्यटन क्षेत्र के कार्यक्रम को सोमवार सुबह रद्द कर दिया गया। शेड्यूल में अचानक आए इस बदलाव के बाद, टिफनी ट्रंप सोमवार सुबह ही जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट से अपने प्राइवेट विमान द्वारा गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गईं। एयरपोर्ट पर जिला कलैक्टर अनुपमा जोरवाल और पुलिस अधिकारियों ने उन्हें विदाई दी। भले ही भीषण मौसम के कारण उनका सोमवार का कार्यक्रम पूरा नहीं हो सका, लेकिन भारत की इस ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखकर वे बेहद प्रभावित नजर आईं। जामनगर पहुंचने के तुरंत बाद टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज के मशहूर वन्यजीव संरक्षण केंद्र वंतारा को देखने के लिए रवाना हुईं। जामनगर एयरपोर्ट से लेकर वंतारा परिसर तक उनकी सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कोटा के ज्वैलर्स से धोखाधड़ी करने का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

नकली चांदी व सोने के नाम पर धोखाधड़ी की थी

कोटा, (निसं)। नकली चांदी व सोने के नाम पर ज्वैलर्स से धोखाधड़ी करने के दर्ज मामले में कुन्हाडी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तरप्रदेश के आगरा से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 नवम्बर 2024 को फरियादी दिनेश जैन ने कुन्हाडी थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि सर्राफा व्यवसायी है, उसने कहा कि 16 अक्टूबर 2024 को स्वयं को दिल्ली निवासी बताते हुए विनित बंसल नाम का व्यक्ति उसकी दूकान पर आया और स्वयं को सोने चांदी की तेज मंडी का व्यवसाय करना बताया और अपना परिचय देकर दुकान से चला गया। 19 नवम्बर को वापस आया और उसने मुझे चांदी की सिल्ली 29 किलो 869 ग्राम की दिखाई जिसकी जांच करने पर सही पाया, लेकिन सौदा नहीं बैठने पर वह चला गया और 26 नवम्बर 2024 को विनित बंसल घर पर आया और 360 ग्राम शुद्ध सोना बुक करवा लिया और अगले दिन ले जाने की बात कही। रिपोर्ट में कहा कि विनित बंसल आया और उसे 360.250 ग्राम सोना मुझसे ले लिया और मेरे द्वारा भुगतान मांगने पर उसने सिक्योरिटी बाबत् चांदी की सिल्ली वजन 29 किलो 869 ग्राम सौंप कर अगले दिन भुगतान करने का आश्वासन देकर चला गया। सिल्ली की जांच करवाई तो नकली मिली, जिस पर धोखाधड़ी होने का शक हुआ।

गिरफ्तार आरोपी

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया। टीम ने मामले में अनुसंधान के दौरान घटनास्थल के फोटो एवं सीसीटीवी फुटेज लिये गये। घटनाकारित करने वाले अज्ञात आरोपी का रुट मैप बनाकर ट्रेस किया गया, जिसमें आरोपी को नामजद कर तलाश शुरु की गई। टीम ने पूर्व में मुख्य अभियुक्त मोहित कुमार वर्मा, सहअभियुक्त छत्रपाल सिंह, देवेन्द्र सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष अभियुक्त के के शर्मा की अपराध में संलिप्तता आने पर तलाश शुरु की गई।

मामले में फरार चल रहे आरोपी की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ.पूनम चौहान के सुपरविजन में कुन्हाडी थानाधिकारी देवेश भारद्वाज के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। गठित टीम ने आरोपी की तलाश की, आरोपी शातिर प्रवृति का था गिरफ्तारी से बचने के लिये बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था, आरोपी पर 15 हजार का ईनाम राशि घोषित की गई। शहर एसपी ने बताया कि विशेष टीम ने 2 सालों से फरार चल रहे 15 हजार के ईनामी आरोपी जिला धोलपुर के राजाखेड़ा निवासी के.के. शर्मा को शमशाबाद गेह आगरा से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

अपहरण व वसूली मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ पीड़ित का अपहरण कर अवैध वसूली के लिए मारपीट करने का प्रकरण दर्ज किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित नवीन माहेश्वरी पुत्र जीवन माहेश्वरी निवासी रोशन नगर सविना सेक्टर 12 ने पुलिस थाने में 30 मई को रात में रिपोर्ट दी कि रात में मेरा पुत्र तेजस माहेश्वरी घर के बाहर सामान लेने गया था। तभी प्रेमसिंह चौहान, कुशाल मेघवाल उर्फ मारतुस व अरदीन व अन्य 7-8 जने बाईकों पर सवार होकर आए एवं पुत्र से रूपये की मांग की। इसमे असमर्थता जताने पर पुत्र का अपहरण कर हिरणमगरी सेक्टर 5 में एक के पास ले गए, जहां मारपीट शुरू कर दी। पुत्र की सूचना पर मेरे मित्र अनिल जाखड़ के साथ मौके पर पहुचे तो बदमाश नशे में रूपयों की मांग की। इनकार करने पर मेरी कार के कांच फोड़ दिए। इसको देख जान बचाकर मौके से भागे। इस दौरान बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी। इस मामे में प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस टीम ने प्रेमसिंह पुत्र रोशनसिंह राजपूत निवासी भुताला गोगुन हॉल महाराणा प्रताप कॉलोनी गवरी चौक सेक्टर 11 सविना तथा कुशाल मेघवाल पुत्र भगवतीलाल निवासी पावटिया अगड़ लसाड़िया हॉल पथिक नगर कच्ची बस्ती सविना को गिरफ्तार किया।

ड्यूटी से घर लौट रहे गार्ड पर बदमाशों ने हमला किया

डूंगरपुर, (निसं)। गत देर रात ड्यूटी से लौट रहे एक सुरक्षाकर्मी पर 6 बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने गार्ड को बुरी तरह पीटा और उसकी बाइक व मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल गार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंटेक्स मिल के सामने डीपीएस स्कूल के पास हुई।

जानकारी के अनुसार देवभूमि कॉलोनी निवासी बृजराज सिंह बियोला सिंटेक्स मिल में सुरक्षाकर्मी के तौर पर कार्यरत हैं। बृजराज सिंह देर रात अपनी ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए 6 बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और अचानक हमला कर दिया। हमले से बृजराज का संतुलन बिगड़ गया और वह बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। बोतलों, पत्थरों, लाठियों से किए वार इसके बाद बदमाशों ने बियर की बोतलों, पत्थरों और लाठियों से बृजराज पर वार किए। उन्हें लहूलुहान करने के बाद बदमाश उनका मोबाइल फोन और बाइक छीनकर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। गंभीर रूप से घायल बृजराज किसी तरह हिम्मत जुटाकर रेंगते हुए सिंटेक्स मिल के मुख्य गेट तक पहुंचे। वहां मौजूद दूसरे सुरक्षाकर्मी को उन्होंने पूरी घटना बताई, जिसके बाद तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बृजराज को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **स्कूल के पास छह बदमाशों ने गार्ड का सिर फोड़ा, बाइक और मोबाइल लूटा**

महिला पर हमले के आरोपी को 10 साल की सजा

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में करीब तीन साल पहले महिला को लाठी-डंडों से मारपीट के दोषी को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने आरोपी को दोषी मानते हुए 66 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जानकारी के अनुसार रामगढ़ कस्बे के गुर्जर मोहल्ले में महिला अत्री देवी के साथ 30 जुलाई 2023 को आरोपी हरमुख ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। लोक अभियोजक अजीत यादव ने बताया कि रामगढ़ के बहादुरपुर रोड स्थित गुर्जर मोहल्ले में अत्री देवी अपने बेटे हरमान को बुलाने के लिए गई थी। इस दौरान अत्री देवी ने देखा कि हरमुख उनके बेटे को शराब पिला रहा है। महिला ने इसका विरोध करते हुए हरमुख को बेटे को बिगाड़ने पर उलाहना दिया। इसी बात से नाराज होकर हरमुख ने लाठी से महिला पर हमला कर दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। हमले में अत्री देवी के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर आईसीयू में इलाज किया गया। घटना के बाद बेटे हरमान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की और न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने 13 गवाहों के बयान और 26 दस्तावेजी साक्ष्यों का अवलोकन किया। साक्ष्यों के आधार पर एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने आरोपी हरमुख को दोषी करार देते हुए दस वर्ष के कारावास तथा 66 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

जोधपुर में बारिश हुई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में सोमवार को एक बार फिर से मौसम बदला। शाम करीब 4 बजे बाद तेज हवा के साथ आंधी चल पड़ी। कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश शुरु हो गई। इससे पहले सुबह धूप रही। दोपहर दो बजे बाद बादल छाने शुरू गए थे। दो दिन पहले 30 मई को भी शहर में तेज अंधड़ और बारिश आई थी। इससे एक यूनिपोल और पेड़ गिर गए थे। सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया था। इधर, मौसम विभाग ने 2 और 3 जून को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को शहरी तथा ग्रामीण इलाकों में हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

जेईई-एडवांस्ड में शुभम कुमार ऑल इंडिया टॉपर

कोटा, (निसं)। आईआईटी रुड़की द्वारा जारी जेईई-एडवांस्ड 2026 रिजल्ट्स में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने लगातार तीसरे वर्ष ऑल इंडिया रैंक-1 देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन रिजल्ट्स के साथ एलन ने अब तक आईआईटी-जेईई में 7 बार ऑल इंडिया रैंक-1 दिए हैं तथा अपने इतिहास में दूसरी बार ऑल इंडिया रैंक-1, 2 और 3 को दोहराया है। इससे पहले वर्ष 2016 में भी एलन ने यह उपलब्धि हासिल की थी। एलन के विद्यार्थियों ने देश की टॉप-10 रैंक में से 6, टॉप 50 में 24 क्लासरूम स्टूडेंट्स रहे हैं। देशभर में एलन की सफलता की अगुवाई एलन के कोटा क्लासरूम स्टूडेंट शुभम कुमार ने की। शुभम ने 360 में से 330 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की। श्रेष्ठता के दौर को जारी रखते हुए एलन के ही क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने 360 में से 329 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-2 तथा जतिन चाहर ने 319 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-3 प्राप्त की।

अलवर में मंदिर से 100 मीटर दूरी पर शराब ठेका खुलने से आक्रोश

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में अंबेडकर नगर विस्तार कॉलोनी के मुख्य रोड पर सोमवार सुबह शराब का ठेका खुलने की भनक लगते ही कॉलोनीवासी महिलाएं विरोध करने पहुंच गई, जहां महिलाओं के विरोध करने के बावजूद भी मंदिर से महज 100 मीटर की दूरी पर ही शराब का ठेका खोल दिया गया।

- **महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर शराब ठेका बंद करने की मांग की**

महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तुरंत शराब ठेका बंद करने की मांग की। महिलाओं का कहना है कि अब यहां से निकलना मुश्किल हो जाएगा। ठेका बंद कराने के लिए अलवर कलैक्टर के पास भी पहुंचे हैं।

अलवर के अंबेडकर नगर विस्तार कॉलोनी के मुख्य रोड पर मंदिर के पास शराब ठेका हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने नारेबाजी की।

अंबेडकर नगर विस्तार निवासी हल्दीना स्कूल की व्याख्याता पूनम कुमारी का कहना है कि कॉलोनी में सभ्य लोग रहते हैं। दूर-दूर के गांवों से आकर यहां रहने लगे, ताकि अच्छे से बच्चों को पढ़ा सके। अब यहां शराब का ठेका खोल दिया है। बगल में मंदिर भी बना हुआ है। पूनम कुमारी ने कहा कि ऐसे में बहन-बेटियों का देर शाम निकलना मुश्किल हो जाएगा। अभद्र व्यवहार होने की पूरी आशंका रहेगी। स्कूली बच्चों को आने-जाने में असहज महसूस होगा।

सुबेदार बाबूलाल जाटव का कहना है कि रातोंरात शराब का ठेका खोल दिया। किसी को शिकायत करने का मौका नहीं दिया। अब सोमवार सुबह दुकान पर शराब का ठेका लिखा हुआ देखा। इसके तुरंत बाद पूरी कॉलोनी के लोग एकत्रित हो गए, यहां सबने शराब ठेका खुलने पर विरोध जताया है।

इस मामले में आबकारी विभाग की अधिकारी अर्चना जैमन से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई बात नहीं हो पाई। उधर, पुलिस का कहना है कि यह आबकारी विभाग का मामला है। पब्लिक की शिकायत मिलने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

अवैध बजरी परिवहन करते चार गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में बजरी का अवैध खनन एवं परिवहन जारी है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई कर अवैध बजरी से भरे डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की जा रही है। रविवार को भी लूणी पुलिस की दो टीमों ने भटिण्डा गांव में अवैध बजरी परिवहन के आरोप में चार लोगों को पकड़ा और अवैध बजरी डंपरों को जब्त किया। आरोपियों के खिलाफ माइनिंग एक्ट में दो प्रकरण बनाए गए।

लूणी पुलिस थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि वे रविवार को गश्त पर थे। तब भटिण्डा गांव की सरहद में बजरी से भरे वाहन को रोका गया। चालक बजरी को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर पुलिस ने तोडियाना आसोप निवासी श्यामलाल देवासी, आंकला खींवसर निवासी देवीसिंह को माइनिंग एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह लूणी थाने के ही एएसआई भगवानाराम ने भटिण्डा गांव में अवैध बजरी के साथ रामलाल एवं हरसुखराम को गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. जिला खण्ड इटावा

क्रमांक: 295 दिनांक :- 22.05.2026

निविदा सूचना संख्या 04/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 08.6.2026 को 06:00 बजे तक।

S.No	UBN No	S.No	UBN No
1	PWD2627WSOB03276	2	PWD2627WSOB03277
3	PWD2627WSOB03278	4	PWD2627WSOB03279
5	PWD2627WSOB03280	6	PWD2627WSOB03281
7	PWD2627WSOB03282	8	PWD2627WSOB03283
9	PWD2627WSOB03284	10	PWD2627WSOB03285
11	PWD2627WSOB03286	12	PWD2627WSOB03287
13	PWD2627WSOB03288	14	PWD2627WSOB03289
15	PWD2627WSOB03288		

(हेमराज चौधरी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड इटावा

DIPR/C/9333/2026

राजस्थान में 2.72 लाख करोड़ के 81 बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम जारी

रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर परियोजनाओं पर काम चल रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'पैमाना' रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 2.72 लाख करोड़ रुपए से अधिक लागत की कुल 81 परियोजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे राजस्थान की विकास यात्रा को नई दिशा मिल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

रिपोर्ट के अनुसार इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल प्रदेश की आधारभूत संरचनाएं मजबूत होंगी, बल्कि रोजगार, व्यापार, परिवहन और निवेश के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की राजस्थान रिफाइनरी परियोजना जल्द शुरू होने की तैयारी में है। बाड़मेर जिले के पचपदरा में बन रही इस परियोजना की लागत करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए है।

इस रिफाइनरी के शुरू होने से राजस्थान सहित पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति मजबूत होगी। साथ ही हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

इसके अलावा एचपीसीएल की ओर से बाड़मेर में 461 करोड़ रुपए की लागत से पेट्रोकेमिकल निकासी एवं विपणन टर्मिनल परियोजना पर भी काम चल रहा है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन के क्षेत्र में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की 19 ऊर्जा ट्रांसमिशन परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इनमें 25 हजार करोड़ रुपए की राजस्थान पार्ट-1 पावर ट्रांसमिशन परियोजना सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक फैली हुई है। इससे ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और राजस्थान ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा।

> ■ **विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राजस्थान निवेश, उद्योग, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।**

प्रदेश में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे की 23 परियोजनाएं वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 1 लाख 64 हजार 998 करोड़ रुपए है। इनमें गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से गुजरने वाला वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रमुख परियोजना है, जिसकी लागत करीब 1 लाख 24 हजार करोड़ रुपए है और इसका कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देवगढ़ मदारिया-नाथद्वारा रेललाइन, नाथद्वारा टाउन परियोजना, पुष्कर-मेड़ता सिटी रेललाइन और पोकरण-रामदेवरा नई रेललाइन जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम चल रहा है। इसके अलावा अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण, सादुलपुर-चूरू दोहरीकरण, धौलपुर-सरमथुरा गेज परिवर्तन, सवाईमाधोपुर-जयपुर रेलवे लाइन और आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण जैसी कई बड़ी परियोजनाएं भी प्रदेश के रेलवे नेटवर्क को मजबूत कर रही हैं।

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क नेटवर्क के विस्तार का काम भी तेज गति से जारी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा एनएचएआई की ओर से करीब 18 हजार करोड़ रुपए की 28 सड़क परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इनमें दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसकी लागत 6 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक है।

इसके अलावा एनएच-25 पर पचपदरा-बागुंडी फोरलेन, ब्यावर-गोमती फोरलेन, फतेहपुर-मंडावा-झुंझुनूं बाईपास और नाथद्वारा से भटेवर तक सड़क उन्नयन जैसे कई कार्य लगभग पूर्णता की ओर हैं।

राजस्थान में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से करीब 2 हजार 874 करोड़ रुपए की तीन बड़ी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। बूंदी-कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को हाड़ौती क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस परियोजना की लागत करीब 1 हजार 507 करोड़ रुपए है और इसे नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उदयपुर एयरपोर्ट पर नया एकीकृत टर्मिनल और जोधपुर एयरपोर्ट पर घरेलू यात्री टर्मिनल परियोजना भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।'पैमाना' रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान अब आधुनिक और मजबूत आधारभूत संरचना वाले राज्यों की श्रेणी में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे, सड़क, ऊर्जा, रिफाइनरी और एयरपोर्ट परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में विकास का नया ढांचा तैयार हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राजस्थान निवेश, उद्योग, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

श्रीलंका की राजधानी में जयपुर फुट निर्माण का स्थायी केन्द्र स्थापित हुआ

श्रीलंका का दूसरा केन्द्र जाफना में 26 जून से सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के तकनीकी सहयोग से श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में जयपुर फुट निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित हो गया है और कार्य करने लगा है । इसी प्रकार का एक और केन्द्र श्रीलंका के बड़े शहर जाफना में इस माह स्थापित हो जाएगा।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि उक्त दो केन्द्रों की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. के चेन्नई केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. विनोद सुराणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. सुराणा जिनके स्वयं के पैतृक निवास में चेन्नई केन्द्र कार्यरत है ने श्रीलंका की संस्था ऑल सिलोन बुद्धिस्ट कांग्रेस (ए.सी.बी.सी.) से आपसी सहयोग के प्रयास किए जो सफल रहे । ऑल सिलोन बुद्धिस्ट कांग्रेस ने कोलंबो केन्द्र के लिए मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया था जिसे बी.एम.वी.एस.एस. ने भिजवा दिया। इस केन्द्र का नाम साधी सुया रखा गया है, जहाँ विकलांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर दिए जाएंगे, उद्घाटन समारोह में डॉ. सुराणा उपस्थित थे।

डी.आर. मेहता ने बताया कि श्रीलंका का दूसरा केन्द्र जाफना में 26 जून से सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा। कोलंबो केन्द्र बी.एम.वी.एस.एस. के जयपुर में प्रशिक्षित श्रीलंका की सेना के तकनीशियन संचालित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से श्रीलंका के तकनीशियनों को जयपुर के बी.एम.वी.एस.एस. के केन्द्र में गहन प्रशिक्षण दिया गया था। डी.आर. मेहता ने बताया कि जाफना के केन्द्र को संचालित करने के लिए जयपुर बी.एम.वी.एस.एस. के दो तकनीशियन जाएंगे, जहाँ स्थानीय तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया जाएगा। डी.आर. मेहता ने बताया कि वेस्ट इण्डीज के त्रिनिडाड और टोबैगो की राजधानी पोर्ट-ऑफ-स्पेन में हाल ही में एक स्थायी केन्द्र जयपुर फुट यू.एस.ए. के सहयोग से शुरू किया गया है, जिसका उद्घाटन त्रिनिडाड-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला बिस्सेसर प्रसाद ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की उपस्थिति में किया था। इस केन्द्र में बी.एम.वी.एस.एस. के तकनीशियन गजानन्द लाम्बा वहाँ तीन माह रहकर प्रशिक्षण देंगे। उल्लेखनीय है कि त्रिनिडाड और टोबैगो में सितम्बर 2025 में एक विशेष शिविर लगाकर 803 विकलांगों का पुर्नवास किया गया था। इसी प्रकार भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से वर्ष 2011, वर्ष 2012 और वर्ष 2024 में विशेष शिविरों में कुल 2759 विकलांगों को पुर्नवास किया गया । इसी तरह कोलंबों में 2011, 2022 और 2024 में तीन अलग-अलग शिविरों में 1408 विकलांगों का पुर्नवास किया गया ।

रूफ टॉप सौर ऊर्जा में बढ़ रही प्रदेश की भागीदारी

मई माह में अब तक का सर्वाधिक 26632 प्लांट इंस्टॉलेशन हुआ

जयपुर । प्रदूषणरहित सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान की भागीदारी बढ़ रही है। बिजली बिल पर खर्च से मुक्ति पाने के लिए विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं।

योजना के अन्तर्गत हाल के मई माह में प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद यह प्रदेश में किसी भी एक माह का अब तक का सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन है।

इसके अन्तर्गत जोधपुर डिस्कॉम में 9316, जयपुर डिस्कॉम में 9204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाएं हैं।

इस दौरान सर्वाधिक 5484 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में इंस्टॉल हुए हैं। इसके पश्चात् श्रीगंगानगर में 3264, हनुमानगढ़ में 2084, सीकर में 1606 तथा झुंझुनूं में 1534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए।

ज्ञात रहे कि राजस्थान डिस्कॉम्स इस योजना को गति दे रहे हैं। इसके अन्तर्गत मई माह में डिस्कॉम के कार्मिकों ने 27 हजार 700 से अधिक उपभोक्ताओं के रूफ टॉप सोलर आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया। यह किसी भी माह में सर्वाधिक आवेदनों का निरीक्षण है।

डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा ने बीते दिनों तीनों वितरण निगमों के सभी सर्किलों में निरीक्षण के प्रकरणों की वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा कर निरीक्षण प्रक्रिया में तेजी से लाने के निर्देश दिए थे। इसी का नतीजा रहा कि अभियंताओं ने सर्वाधिक निरीक्षण प्रक्रियाओं को सम्पन्न किया जिससे माह सर्वाधिक 31 हजार 437 उपभोक्ताओं को सबसिडी भी प्राप्त हुई। साथ ही, 177 नए वेंडरों को भी योजना से जोड़ा गया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में प्रदेश में 830 मेगावाट क्षमता के लगभग 2.17 लाख रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। भारत सरकार से इसके लिए लगभग 1460 करोड़ रूपए की सब्सिडी भी लाभार्थी उपभोक्ताओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी करेंगे चारधाम के दर्शन

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उत्तराखंड की पांच दिवसीय यात्रा में चार धाम के दर्शन करेंगे। देवनानी जयपुर से मंगलवार को प्रातः 10 बजे वायुयान से देहरादून जाएंगे। देवनानी ने कहा कि चार धाम की यात्रा पवित्र और आध्यात्मिक तीर्थ यात्रा है। देवनानी इस यात्रा को पारंपरिक क्रम में ही पूरा करेंगे। पारंपरिक क्रम के अनुसार यह यात्रा यमुनोत्री से आरंभ होकर गंगोत्री और केदारनाथ होते हुए बद्रीनाथ धाम पर पूरी होती है। देवनानी ने बताया कि यमुनोत्री धाम देवी यमुना, गंगोत्री धाम देवी गंगा, केदारनाथ धाम भगवान शिव और बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित है।

बर्फ फैक्ट्री, बीएमसी व घरों में बिजली चोरी पकड़ी

जयपुर । जयपुर विद्युत वितरण निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को कालवाड़ विद्युत सब-डिवीजन क्षेत्र में गहन सतर्कता जांच के दौरान बर्फ की एक फैक्ट्री, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (बीएमसी) व 10 आवासीय परिसरों में विद्युत चोरी पकडी। इन सभी मामलों में वीसीआर भरकर करीब 20 लाख रूपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

> ■ **12 मामलों में 20 लाख से अधिक का लगाया जुर्माना**

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि अधिशाषी अभियंता (सतर्कता) चेतन स्वरूप भंसाली के नेतृत्व में सतर्कता दल ने ग्राम पचार में एक घरेलू कनेक्शन की जांच की, जिसमें पाया गया कि विद्युत का उपभोग दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (बीएमसी) के संचालन में किया जा रहा था। इस पर करीब 2 लाख 43 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। सर्वेश्वर विहार स्थित एक बर्फ फैक्ट्री में मीटर से छेडछाड कर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 4 लाख 37 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार मांगू बाबा की ढाणी, पचार, गुजारिया वाली ढाणी, लालरपुरा के 4 आवासीय परिसरों में एलटी पोल से सीधे तार जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी। इन पर करीब 5 लाख 84 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी 6 परिसरों में संयुक्त रूप से 49.83 कि.वॉट का विद्युत लोड पाया गया।

अधिशाषी अभियंता के.सी.गुप्ता के निर्देशन में ग्राम रामकुंई, पचार, शबरामपुरा, पुनियां की ढाणी में एलटी पोल से सीधे अवैध तार जोडकर 6 आवासीय परिसरों में विद्युत चोरी के मामले पकडे गये। जिनमें करीब 8 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है।

अजेय कुमार के नेतृत्व में राजस्थान में संगठन को मिलेगी नई गति : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार को राजस्थान भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हर्ष जताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

> ■ **भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हर्ष जताया**

मदन राठौड़ ने कहा कि अजेय कुमार का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण तथा कुशल नेतृत्व राजस्थान भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में भाजपा राजस्थान संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन विस्तार और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के संगठनात्मक अनुभव और कुशल नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्रों में अजेय कुमार को एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में वर्ष 1997 में श्रीनगर गढ़वाल से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले अजेय कुमार ने संघ और भाजपा संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

श्रीनगर, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में नगर प्रचारक, ऊधमसिंह नगर में जिला प्रचारक तथा अल्मोड़ा विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद एवं बिजनौर विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में भी संगठन को मजबूत किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार की नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल, प्रभावी नेतृत्व क्षमता और परिणाम देने वाली कार्यशैली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। यह निर्णय भाजपा नेतृत्व के उस विश्वास को भी दर्शाता है कि अनुभवी एवं सक्षम संगठनकर्ता ही संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, नाहर सिंह जोधा, ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदडा, सरिता गेना, बिहारी लाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू भाई मईडा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, मिथिलेश गौतम ने भी संगठन महामंत्री की नियुक्त पर हर्ष व्यक्त किया।

जर्मन शेफर्ड के हमले में 4 वर्षीय मासूम गंभीर घायल

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक पालतू जर्मन शेफर्ड डॉग द्वारा 4 वर्षीय मासूम बच्ची पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। डॉग ने बच्ची के सिर और आंख के पास हमला कर उसे बुरी तरह नोंच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

हैड कांस्टेबल रामनिवास ने बताया कि पत्रकार कॉलोनी स्थित राधाकुंज धोलाई की एक रेजीडेंसी में संतोष कुमार माथा अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 4 वर्षीय पुत्री आद्विका खंडेलवाल 24 मई की रात करीब 8:30 बजे अपने फ्लैट से दो घर छोड़कर रहने वाले बच्चों को बुलाने गई थी।

परिजनों के अनुसार जैसे ही बच्ची ने पडौसी फ्लैट का डोरबेल बजाया और गेट खुला, तभी अंदर से तेजी से दौड़कर आए पालतू जर्मन शेफर्ड डॉग ने उस पर अचानक हमला कर दिया। डॉग ने बच्ची के सिर और आंख के ऊपरी हिस्से को बुरी तरह नोंच लिया, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी और चीखने लगी।

आरोप है कि घटना के बाद बच्ची की मदद करने के बजाय पडौसी ने पहले डॉग को अंदर खींच लिया और इसके बाद अपने फ्लैट का गेट बंद कर लिया। इस दौरान बच्ची दर्द से तड़पती रही। शोर सुनकर पहुंचे अन्य पडौसियों ने उसे संभाला और सोसायटी कॉरिडोर में लाकर प्राथमिक सहायता दी।

परिजन उसे तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची के सिर और आंख के पास गहरे घाव हैं और उसकी प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है, जिसके लिए मंगलवार को सर्जनों द्वारा जांच की जाएगी।

पीएम पोषण योजना में केन्द्र सरकार ने 954 करोड़ रुपए मंजूर किए

भोजन की पौष्टिकता और गुणवत्ता जांचने के लिए प्रदेश की स्कूलों का औचक निरीक्षण करें अधिकारी : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान केंद्र सरकार की "पी.एम. पोषण योजना" की वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार ने इस योजना में राज्य के लिए 953.97 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिसे समिति ने अनुमोदित किया।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव यूडीएच आलोक गुप्ता, सचिव ग्रामीण विकास कृष्ण कुणाल, सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अम्ब्रीश कुमार संयुक्त सचिव वित्त (व्यय) डॉ. भारती दीक्षित, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मलावत, मिड-डे-मिल आयुक्त विश्व मोहन शर्मा तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा पी.एम.पोषण योजना से जुड़े अफसर मौजूद थे।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने पीएम पोषण योजना के पोर्टल को तत्काल अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव को श्री कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है, जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी इस नवाचार की प्रशंसा की है।

श्रीकृष्ण भोग योजना ना केवल बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है, बल्कि कुपोषण एवं एनिमिया जैसी समस्याओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना में वर्ष 2025-26 में 60.54 लाख भोजन थाली परोसी गई।

> ■ **बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार ने भी श्रीकृष्ण भोग योजना संचालित कर वर्ष 2025-26 में 60.54 लाख भोजन थाली परोसी है। भोजन की गुणवत्ता विद्यार्थियों की माताएं और महिला अभिभावक जांचती है।**

मुख्य सचिव को अतिथि माता कॉन्सेप्ट से भी अवगत कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों की माताओं एवं महिला अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता स्वच्छता और पोषण मानकों एवं वितरण व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण करवाया जाता है। साथ ही बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन के स्वाद और गुणवत्ता परीक्षण के लिए भोजन भी करवाया जाता है।

जिस पर माताएं एवं महिला अभिभावक अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करवाती हैं। अभी तक 55 लाख 19 हजार 810 अतिथि माताओं द्वारा विद्यालयों का भ्रमण कर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया है।

ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उडाने वालों पर पुलिस का शिकंजा

3 बड़े वाहन सीज, अब तक 86 हजार से अधिक पर कार्रवाई

जयपुर। राजधानी में ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उडाने वाले आदतन और लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा और सख्त अभियान शुरू किया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर मोटर वाहन अधिनियम (संशोधित 2019) के तहत सडक दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई लगातार जारी है।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति से ड्राइविंग, ब्लैक फिल्म का उपयोग, अनाधिकृत मॉडिफिकेशन तथा बार-बार नियम तोड़ने वाले आदतन वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान तीन बड़े मामलों में वाहनों को सीज किया गया है। इनमें शामिल हैं बस नंबर 071319, जिसके चालक ने 67 बार यातायात नियमों का उल्लंघन किया । बस नंबर 054377, जिस पर 63 बार नियम उल्लंघन दर्ज है । थार नंबर 607445, जिसे 6 बार नियम तोड़ने के बाद दोबारा उल्लंघन करते हुए पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त अब तक 37 अन्य आदतन वाहनों को भी जब्त किया जा चुका है।

30-31 मई को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने शहरभर में व्यापक कार्रवाई की। इस दौरान ब्लैक फिल्म के 451 मामले, ओवरस्पीडिंग के 3108 मामले,अनाधिकृत मॉडिफिकेशन के 119 मामले,शराब पीकर वाहन चलाने के 36 मामले और मॉडिफाइड साइलेंसर के 31 मामले दर्ज किए गए इस अभियान के दौरान 25 से अधिक दोपहिया वाहनों के अवैध साइलेंसर हटवाए गए तथा 100 से अधिक चौपहिया वाहनों से अनाधिकृत बंपर एवं बुलगार्ड हटवाए गए। पुलिस के अनुसार अब तक कुल 86,157 वाहनों के खिलाफ चालान एवं शमन की कार्रवाई की जा चुकी है, जो इस अभियान की व्यापकता को दर्शाता है।

15697 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड

डीसीपी ट्रैफिक योगेश गोयल ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से अब तक 42,358 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने तथा 558 वाहनों के रजिस्ट्रेशन सस्पेंड करने की अनुशंसा परिवहन विभाग को भेजी गई है। इनमें से अब तक 15,697 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किए जा चुके हैं। ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने वाहन के पेंडिंग चालानों की स्थिति की जांच आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर करें और समय पर उनका भुगतान सुनिश्चित करें।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिन मामलों को वर्चुअल कोर्ट में भेजा जा चुका है, उनका निस्तारण अब ट्रैफिक पुलिस स्तर पर नहीं किया जा सकेगा। ऐसे मामलों की स्थिति जानने के लिए संबंधित वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

फ्लैगशिप योजनाओं तथा बजट घोषणाओं की समीक्षा हुई

जालोर के कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने अधिकारियों की साप्ताहिक बैठक ली। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ केन्द्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं तथा बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिला कलेक्टर ने केन्द्र व राज्य सरकारी की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं तथा बजट घोषणा वर्ष 2025-26 की क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करें। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग, पेयजल विभाग, पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं को तय समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं यथा-प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्ट्रीट वेंडर्स हेतु प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मंगला पशु बीमा योजना, पंच गौरव योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में बिंदुवार चर्चा करते हुए अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं की विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, जिला रसद अधिकारी नमिता नारवाल, डीओआईटी के संयुक्त निदेशक कपिल लुणा, वन विभाग के एसीएफ भंवर सिंह सोढा सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

रोड की खराब स्थिति से वाहन को नुकसान के मामले में टोल कंपनी पर जुर्माना

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जालोर के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए टोल रोड की खराब स्थिति से वाहन को हुए नुकसान के मामले में टोल कंपनी को उपभोक्ता को सत्तराह हजार रूपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

मामले के अनुसार जालोर निवासी प्रवीण कुमार माली निवासी जालोर ने उपभोक्ता आयोग जालोर में शिकायत दर्ज कर बताया कि वह जालोर से आहोर के बीच संचालित टोल रोड का उपयोग करता है और नियमित रूप से टोल शुल्क चालीस रुपये अदा करता था। शिकायत में बताया कि टोल सडक पर गड्ढों एवं खराब रखरखाव के कारण उनके वाहन को नुकसान पहुंचा, जिससे उन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। उपभोक्ता ने टोल कंपनी मैसर्स चेतक मित्रा टोलवेज लिमिटेड के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर मुआवजे की मांग की। आयोग के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव व सदस्य निरंजन शर्मा ने दोनों पक्षों के अभिलेखों एवं तथ्यों का परीक्षण करने के बाद टोल कंपनी को निर्देश दिया कि वह परिवादी को मानसिक संताप एवं आर्थिक क्षति के लिए 10,000 रुपये, परिवाद व्यय के लिए 7,000 रुपये सहित कुल 17,000 रुपये 45 दिनों के भीतर अदा करें। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि निर्धारित अवधि में राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो टोल कंपनी को बकाया राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

फैसले को उपभोक्ता अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है, जिससे सडक एवं टोल सेवाओं में लापरवाही बरतने वाली संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

सार-समाचार

टेक्सटाइल फैक्ट्रियां बंद करने से रोष

जोधपुर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद टेक्सटाइल फैक्ट्रियों को बंद किए जाने पर श्रमिकों ने आज कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर के मार्फत मुख्यमंत्री को बंद टेक्सटाइल फैक्ट्रियों को वापस शुरू करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में बताया गया कि जोधपुर का टेक्सटाइल उद्योग वर्तमान में पूर्णत: बंद है, जिससे इस उद्योग से जुड़े लाखों लोगों के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। टेक्सटाइल उद्योग जोधपुर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है तथा इससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग सात लाख से अधिक परिवारों का जीवनयापन जुड़ा हुआ है। वर्तमान परिस्थितियों में सभी टेक्सटाइल इकाइयां बंद हैं। ऐसी स्थिति में यदि किसी क्षेत्र में रंगयुक्त अथवा प्रदूषित पानी मिलने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, तो उसके वास्तविक स्रोत की निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक जांच करवाना अत्यंत आवश्यक है। जब उद्योग की सभी इकाइयां बंद हैं, तब बिना पर्याप्त जांच के सम्पूर्ण टेक्सटाइल उद्योग को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा। जानकारी के अनुसार उद्योग बंद होने के कारण हजारों मजदूर, कर्मचारी, कारीगर, ट्रांसपोर्टर, छोटे व्यापारी एवं उनसे जुड़े अन्य व्यवसाय आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। अनेक परिवारों के सामने रोजगार एवं दैनिक जीवन-यापन की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इसके अतिरिक्त उद्योग बंद रहने से जोधपुर के निर्यात कारोबार, स्थानीय व्यापार तथा सरकारी राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विभिन्न आदेशों में एसटीपी एवं सीईटीपी दोनों के उपचारित जल के पुन: उपयोग पर बल दिया है, न कि केवल सीईटीपी के जल के पुन: उपयोग पर। वर्तमान में प्रशासन द्वारा केवल सीईटीपी से जुड़े उद्योगों पर दबाव बनाया जा रहा है, जबकि एसटीपी का उपचारित एवं अनुपचारित जल, जो जोजरी नदी में प्रवाहित होकर जलभराव एवं प्रदूषण का प्रमुख कारण है, उस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

रेवदर में कांग्रेसजनों का प्रदर्शन

रेवदर, (नि.सं.)। पैट्रोल, डीजल, रसोई गैस की बढती कीमतों पर नियंत्रण कर कीमतें कम करने, नीट परीक्षा के पेपरलीक रोकने एवं कार्यवाही करने एवं दिल्ली-काण्डला नेशनल हाईवे पर हो रहे सडक हादसों को रोकने के लिए सिरोही-मण्डार हाईवे पर भारी वाहनों का यातायात डायवर्जन करने एवं फोरलाईन का निर्माण करवाने एवं बाईपास का कार्य तुरन्त शुरू करवाने की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रेवदर ने विधायक मोतीराम कोली के नेतृत्व एवं ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णवीरसिंह देवडा रोहुआ की अध्यक्षता में विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम दो ज्ञापन सौंपे गये। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्रसिंह देवडा, सिरोडी मण्डल अध्यक्ष दलपतसिंह देवडा, अनादरा मण्डल अध्यक्ष कानाराम मेघवाल, दांतराई मण्डल अध्यक्ष सूराराम देवासी, मण्डार मण्डल अध्यक्ष मफतलाल बुनकर, जिला महासचिव भवानीसिंह देवडा, मजहर हुसैन, हर्षुल अठावाल, सेलवाड़ा सोसायटी अध्यक्ष डूंगरसिंह सेरवा, जिला महासचिव लाखाराम चौधरी, तखतसिंह देवडा, सवाराम चौधरी, हिम्पालसिंह देवल, फजल मोहम्मद, हीराराम भाट, फिरोज सोरडा, चन्दूलाल कोली, कन्हैयालाल कोली, पूनमचन्द पुरोहित, विनोदसिंह सोलंकी, ओमप्रकाश कोली, इम्तियाज खान, मानाराम चौधरी, शकूर भाटी, भैराराम पुरोहित, देवाराम पुरोहित, चुन्नीलाल मेघवाल, पिन्टू मेघवाल, भूराराम चौधरी, तरन मेघवाल, कानाराम कोली, सनी अठावाल, रामसिंह राव, थानाराम भील, सरफराज, गणेश मेघवाल, जैसाराम मेघवाल, गणेशराम भाट, नरेन्द्रसिंह हमीरपुरा समेत कई कांग्रेसजन उपस्थित थे।

कर्मचारी महीने में पढ़ेगा एक किताब : रवि

जोधपुर, (कासं)। बढ़ते स्क्रीन टाइम के बीच कर्मचारियों में पढ़ने की आदत लौटाने के लिए कैरिज कार्यशाला के राजभाषा अनुभाग ने नई पहल की है। यहां एक माह-एक व्यक्ति-एक पुस्तक अभियान शुरू किया गया, जिसका मकसद पुस्तकालय संस्कृति को बढ़ावा देना है। मुख्य कारखाना प्रबंधक रवि मीना ने पंच परमेश्वर पुस्तक के विमोचन के साथ अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि किताबें ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास की नींव हैं। नियमित अध्ययन से सोच का दायरा बढ़ता है। उप मुख्य कार्मिक अधिकारी डॉ. सुनीता चौधरी ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से हर महीने पुस्तकालय से एक पुस्तक लेकर पढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि कर्मचारी पढ़ी गई पुस्तक के साथ फोटो या सेल्फी निर्धारित ग्रुप में साझा करें, ताकि दूसरे भी प्रेरित हों। डॉ. चौधरी ने कहा कि अभियान अध्ययन, चिंतन और ज्ञानार्जन की संस्कृति को मजबूत करेगा। कर्मचारियों को मोबाइल से दूर किताबों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। अधिकारी, दोनों यूनियन व एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन कनिष्ठ अनुवादक चंद्र प्रकाश आर्य ने किया।

डॉ. धनंजया अमरावत विभागाध्यक्ष बने

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग में डॉ. धनंजया अमरावत ने विभागाध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया। हाल ही में राष्ट्र-स्तरीय कवि दुलाभाया काग अवार्ड से सम्मानित डॉ. अमरावत को पूर्व में भी राजस्थानी विभागाध्यक्ष एवं महिला अध्ययन केन्द्र निदेशक का कार्यभार मिल चुका है। विभागाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करते हुए डॉ. अमरावत ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी कि विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो, अध्ययन, अध्यापन एवं शोधकार्य सुचारू रूप से पूर्ण हो साथ ही विभाग के माध्यम से राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति के विकास हेतु भी तत संबंधी कार्य संपादन प्रक्रिया के साथ करने के प्रयास रहेंगे। विश्वविद्यालय शिक्षकों, विभागीय सदस्यों एवं शोधार्थियों द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए स्वागत किया गया। इस अवसर प्रोफेसर रामसिंह आढ़ा, डॉ. विजयश्री, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, डॉ. भरत देवडा, शोधार्थी विष्णुशंकर, जगदीश मगराव, माधुसिंह, शान्तिलाल सहित कई जने उपस्थित रहे।

अवैध शराब सहित कई लोग पकड़े

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को पकड़कर अवैध देशी और अंग्रेजी शराब जब्त की। एयरपोर्ट थाने के एसआई रमेशचन्द ने सांसी कॉलोनी में हीरादेवी को गिरफ्तार कर एक कट्टे में बीयर की 24 बोतलें जब्त की। एयरपोर्ट थाने के एएसआई ज्ञानपाल ने विशाल सांसी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18 पव्वें अंग्रेजी शराब और 10 बोतल बीयर की जब्त की। इसी तरह मंडोर थाने के एएसआई बंशीलाल ने 9 मील, इंडस्ट्रियल एरिया में अवैध रूप से शराब बेच रहे महेन्द्र लोहार को गिरफ्तार कर बेचन को रखे 53 पव्वें देशी शराब जब्त किए। इसी प्रकार मंडोर थाने की एसआई अरूणा कुमारी ने 9 मील इंडस्ट्रीयल एरिया में अंगीरा फैक्ट्री के पास अवैध रूप से शराब बेच रहे धर्मेन्द्र चौहान को गिरफ्तार कर बेचने को रखे 49 पव्वें देशी शराब बरामद की। वहीं बनाड थाने के एएसआई पुखराज ने नांदड़ी क्षेत्र में हीर सिंह से 38 पव्वें देशी शराब के जब्त किए।

राहुल गांधी से सलीम नागौरी मिले

फलोदी, (निसं)। पुष्कर में आयोजित संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर के दौरान फलोदी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम नागौरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी से मुलाकात की। इस दौरान नागौरी ने राहुल गांधी को फलोदी जिले की भौगोलिक स्थिति, क्षेत्र की विशेषताओं, सामाजिक संरचना तथा स्थानीय जनसमस्याओं की विस्तृत जानकारी दी। मुलाकात के दौरान जिले के विकास, संगठन की गतिविधियों और आमजन से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। नागौरी ने बताया कि राहुल गांधी ने क्षेत्र के विकास और जनता के हितों से जुड़े विषयों को गंभीरता से सुना तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर नागौरी ने कहा कि राहुल गांधी से हुई मुलाकात फलोदी जिले की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर रही। उन्होंने विश्वास जताया कि जिले के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा।

कबीर प्राकट्य महोत्सव 29 को

जोधपुर, (कासं)। सतगुरु कबीर प्रकाश आश्रम नवदुर्गा नगर झालामंड एवं सतगुरु कबीर प्रकाश कुटीर प्रताप नगर में सतगुरु कबीर प्राकट्य महोत्सव 29 जून को श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। आश्रम के प्रवक्ता नीरज भाटी ने बताया कि इस कार्यक्रम के बैनर का विमोचन आश्रम के गादीपति महंत रमेशदास महाराज साहेब के करकमलों एवं सतगुरु कबीर प्रकाश सेवा मण्डल के पदाधिकारी व समस्त सदस्यगणों द्वारा किया गया। इस मौके विनोद दास कंडारा, दीपक भाटी, देवनवल पंडित, राजकुमार भाटी, कोटवाल सिकंदर तेजी, रवि तेजी, महेंद्र तेजी, आकाश भाटी, पंकज भाटी, काव्यांश भाटी, महिला मंडल की मंजू देवी, रेखा देवी, अंजलि, लक्ष्या, दीक्षा एवं मण्डल के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

जालोर में नगर परिक्रमा 6 जून को, तैयारी जोरों पर

जालोर में 6 जून को होने वाली 14 वीं नगर परिक्रमा को लेकर पोस्टर, बैनर व आमंत्रण पत्रिका का विमोचन जलंधरनाथ अखाड़ा के प्रेमनाथजी महाराज के सानिध्य में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। हिन्दू सेवा समिति द्वारा 6 जून को होने वाली 14वी नगर परिक्रमा को लेकर सोमवार को पोस्टर, बैनर व आमंत्रण पत्रिका का विमोचन जलंधरनाथ अखाड़ा के प्रेमनाथजी महाराज के कर कमलों से किया गया।

हिन्दू सेवा समिति के अम्बालाल व्यास ने बताया कि समिति द्वारा ब्रह्मलीन शांतिनाथजी महाराज के आशीर्वाद व गंगानाथ महाराज तथा साधु संतों के सानिध्य में आगामी 6 जून को आयोजित होने 14वी भव्य मन्दिर दर्शन व नगर परिक्रमा को लेकर पोस्टर, बैनर व आमंत्रण पत्रिका का विमोचन रविवार की शाम को जलंधरनाथ अखाड़ा के प्रेमनाथ महाराज के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर प्रेमनाथ महाराज ने नगर परिक्रमा को धर्म-संस्कृति के संरक्षण एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए सनातन धर्मप्रेमियों से इस पवित्र पुरुषोत्तम मास में आयोजित परिक्रमा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आव्हान किया। व्यास ने जानकारी देते हुये बताया कि नगर परिक्रमा शनिवार सुबह 6.30 बजे सूरजपोल स्थित गणपति मन्दिर पर दीप प्रज्ज्वलित के साथ आरती कर प्रारम्भ होकर शहर के प्रमुख मन्दिरों के दर्शन करते हुये दोपहर 12 बजे हनुमानशाला पहुंचेगी। जहाँ अपरान्ह 4 बजे तक साधु संतों के प्रवचन तथा भक्ति कार्यक्रम होगा। इस दौरान माहेश्वरी समाज द्वारा श्रद्धालुओं हेतु प्रसादी करवाई जायेगी। तत्पश्चात परिक्रमा पुन: शुरू होकर शेष मन्दिरों के दर्शन करते हुये सूरजपोल स्थित सत्यनारायण मंदिर पहुंचेगी जहां आरती के साथ प्रसादी वितरण कर परिक्रमा का विसर्जन होगा।

इस मौके पर समेलाराम माली, मोहनलाल मालवीय, मदनलाल माली, जगदीश प्रसाद दवे, ओटाराम सोलंकी, कैलाश माहेश्वरी, दिनेश लोहार, मनीष गुप्ता, रितेश शर्मा, कैलाश लखारा, दिलीप शर्मा, नितेश भटनागर, शैलेश शर्मा सहित आदि उपस्थित रहे।

कायलाना में कूदकर महिला ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की कायलाना झील में महिला ने कूदकर आत्महत्या कर ली। गोताखोरों ने उस बचाने का बहुत प्रयास किया। छलांग लगाकर उसे बाहर निकाला और हॉस्पिटल लेकर गए भी लेकिन जान बच नहीं सकी।

कायलाना चौकी के प्रभारी एएसआई रावल राम ने बताया कि महिला पूजा जाखड़ (24) पत्नी जगदीश जाखड़ थी। उसकी शादी 4 साल पहले हुई थी। वर्तमान में पति के साथ रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी।

एएसआई ने बताया कि बाइक सवार व्यक्ति किशोर गहलोत ने हादसे की सूचना दी थी। उसने बताया था कि वह सिद्धनाथ रोड से आ रहा था। उस दौरान उसने युवती को छलांग लगाते देखा। वह तुरंत गोताखोर भरत चौधरी, गणेश चौधरी की टीम के साथ मौके पर पहुंचा और उसे बाहर निकलवाया।

एएसआई ने बताया कि महिला को झील से निकाला गया, तब उसकी सांसे चल रही थी। एबुलेंस में देरी होने पर सहायक उप निरीक्षक रावलराम की कार में डालकर हॉस्पिटल के लिए निकले। बीच रास्ते में एम्बुलेंस मिलने पर उसमें शिफ्ट किया और मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लेकर गए।

डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। महिला का ससुराल मालासर जिला चुरू और पीहर एटा जिला सूरतगढ़ में है।

हनवन्त राजपूत हॉस्टल में सरकारी सेवा में चयनित 32 जनों का सम्मान

जोधपुर, (का.सं.)। श्री हनवन्त एजुकेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में संचालित श्री हनवन्त राजपूत हॉस्टल पावटा बी रोड जोधपुर में रहने वाले 32 छात्रो के विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होकर सरकारी सेवा में चयनित होने को लेकर सोमवार को हॉस्टल सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल के लिए चयनित छात्र नाथूसिंह खिरजा, जेठू सिंह बलाई, भगवान सिंह बडोड़ा गांव, विक्रम सिंह नेवरा, राजू सिंह आसरकंद्रा, मनोहर सिंह चांदरख, चंद्रवीर सिंह सिसोदिया खारा, भवानी सिंह बस्तवा व शेर सिंह, आर्मी जीडी में चयनित छात्र नरेंद्र सिंह चारणी भांडू ,जितेंद्र सिंह डेढा , हर्षवर्धन सिंह अणवाणा, जयदीप सिंह अणवाणा, दुर्ग सिंह देऊ, महावीर सिंह ईसरू, श्रीपाल सिंह भाटी खाबड़ा ,दरियाव सिंह जालसू, दिनेशपाल सिंह संतोड़ा, रतन सिंह सत्ता , भानु प्रताप सिंह आसकंद्रा, जितेंद्र सिंह सोलंकियातला, निर्मल सिंह सोढा देदूसर, जसपाल सिंह खां , नेपाल सिंह चावा, रणवीर सिंह केतु, पर्वत सिंह आमला ,स्वरूप सिंह आमला , सुरेंद्र सिंह हरसानी, जेल प्रहरी के लिए चयनित ईश्वर सिंह भाटा, राजस्थान होमगार्ड के लिए चयनित मोटू सिंह भैरवा , वीडीओ व जमादार सेकंड ग्रेड के लिए चयनित दान सिंह भैसड़ा का साफा पहनाकर, दुपट्टा ओढाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मान किया।

इस अवसर पर हॉस्टल के मोटिवेशनल स्पीकर कर्नल भोजराज सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह खींची इंद्रोका, सचिव रणवीर सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष किशोर सिंह लौड़ता, कार्यकारिणी सदस्य श्याम सिंह सजाड़ा व कार्यकारिणी के पूर्व सचिव राजेंद्र सिंह लीलियां ने चयनित छात्रों का सम्मान किया व उज्जवल भविष्य की कामना की।

सभी चयनित छात्रों को कहा कि एक बार सरकारी सेवा प्राप्त करने के बाद भी निरंतर आगे कड़ी मेहनत करते रहे। आगे की मंजिल प्राप्त करने का लक्ष्य रखें।

उन्होंने हॉस्टल के छात्रों को इन चयनित छात्रों से प्रेरणा लेकर मेहनत करने व अपने लक्ष्य प्राप्त करने का भी कहा। कार्यक्रम में हॉस्टल वार्डन मेघ सिंह उदावत व नरेंद्र सिंह व गजेंद्र सिंह गोठिया व हॉस्टल के छात्र उपस्थित थे।

तेरापंथ भवन में सभा हुई

बालोतरा, (निसं)। अणुव्रत समिति बालोतरा द्वारा वर्ष 2025-26 की साधारण सभा का आयोजन रविवार रात्रि 8.30 बजे तेरापंथ भवन में किया गया। सर्वप्रथम नवकार महामंत्र से बैठक प्रारम्भ की गई। अणुव्रत गीत का संगान किया गया।

तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष श्रीमान धनराज जी ओस्तवाल ने अणुव्रत आचार संहिता का सामूहिक वाचन किया जिसे सभी सदस्यों ने दोहराया। उपाध्यक्ष कमल कुहाड ने गत साधारण सभा का सभी सदस्यों के बीच वाचन किया जिसकी अनुमोदना सदस्यों द्वारा की गई। बैठक मे वर्ष भर से हुए कार्यो का प्रतिवेदन कार्य समिति सदस्य नवीन सालेचा द्वारा किया गयासदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन की अनुमोदना की गई। कोषाध्यक्ष अनिल जी चोपडा द्वारा वर्ष 2025-26 का आय-व्यय ब्योरा प्रस्तुत किया गया। उपस्थित सदस्यों द्वारा बजट की अनुमोदना की गई।

रामजी का गोल जैन तीर्थ में पूर्णिमा का मेला भरा

गुडामालानी, (निसं)। गुडामालानी क्षेत्र के प्रसिद्ध श्री आर्य गुण गुरु कृपा जैन तीर्थ, रामजी का गोल में रविवार को प्रथम ज्येष्ठ सुदी पूर्णिमा मेले का भव्य एवं धार्मिक आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मेले में बाडमेर सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 15० श्रद्धालुओं ने भाग लेकर श्री मेरु तुंग पार्श्वनाथ तीर्थराज के दर्शन, पूजा-अर्चना एवं धार्मिक आराधना का लाभ प्राप्त किया।

ट्रस्ट अध्यक्ष मांगीलाल वडेरा (ठेकेदार) ने बताया कि श्रद्धालुओं का जत्था 31 मई 2०26 को प्रात: 7 बजे बाडमेर से रामजी का गोल तीर्थ के लिए रवाना हुआ। तीर्थ पहुंचने पर आयोजन समिति द्वारा सभी गुरु भक्तों एवं श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात नवकारशी, स्नात्र पूजा, प्रभु पूजा एवं विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु प्रभु भक्ति में भाव-विभोर हो गए। यह धार्मिक आयोजन राजस्थान दक्षिण दीपक अचलगच्छाधिपति पूज्य आचार्य भगवंत श्रीमद् कलाप्रभ सूरिश्वरजी म.सा. की पावन प्रेरणा एवं आशीर्वाद से संपन्न हुआ। मेले का मुख्य उद्देश्य जैन धर्म की प्रभावना, तीर्थ भक्ति का प्रसार तथा समाज में धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों का संवर्धन करना रहा। आयोजन के दौरान तीर्थ परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से धर्म आराधना कर तीर्थ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। पूरे आयोजन में समाजजनों का उत्साह और समर्पण उल्लेखनीय रहा।

इस अवसर पर लाभार्थी परिवार रतनलाल शंकरलाल वडेरा संवाददाता (अहमदाबाद-बाडमेर) का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। वहीं पूर्णिमा मेले के संयोजक मेवाराम सिंघवी, ट्रस्ट उपाध्यक्ष रतनलाल वडेरा, ट्रस्ट महासचिव बाबूलाल श्रीमाल सहित अनेक समाजसेवियों एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ट्रस्ट अध्यक्ष मांगीलाल वडेरा तथा मीडिया प्रभारी पवन बोहरा (बालेबा) ने बताया कि रामजी का गोल तीर्थ निरंतर धर्म प्रभावना एवं समाज जागरण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। धार्मिक आयोजनों से नई पीढ़ी में धर्म, संस्कृति व संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ती है। समाज में एकता और सद्भावना को मजबूती मिलती है।

कृषि एवं उद्यान विभाग ने दिया जल संरक्षण व प्राकृतिक खेती का संदेश

■ कृषि एवं उद्यान विभाग ने कृषि अनुसंधान उपकेंद्र समदड़ी में कार्यक्रम आयोजित

बालोतरा, (निसं)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा कृषि अनुसंधान उपकेंद्र समदड़ी में किया गया।

कार्यक्रम में बडी संख्या में किसानों, महिलाओं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उद्यान विभाग के उप निदेशक शंकरलाल सोलंकी ने अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और वर्तमान समय में जल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बन गई है। उन्होंने उपस्थित किसानों एवं महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का आ ह्न किया। कृषि अनुसंधान उपकेंद्र समदड़ी के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताते हुए कंपोस्ट पिट के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली गोबर खाद तैयार करने, वर्षा जल संचयन के लिए घरों में सोख्ता गड्ढों के निर्माण तथा जल संरक्षण की विभिन्न तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती का समन्वय किसानों की आय बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं अनुदान कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। कृषि अधिकारी सुखदेव प्रजापत ने कृषि विभाग की जल बचत संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि फार्म पॉण्ड एवं पाइपलाइन योजनाओं के माध्यम से किसानों को जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने योजनाओं में मिलने वाले अनुदान तथा आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी छगुलाल गुर्जर ने सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों जैसे ड्रिप, फव्वारा एवं मिनी फव्वारा प्रणाली के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों के उपयोग से कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही किचू बागवानी एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापना पर मिलने वाले अनुदान की जानकारी भी दी। कृषि अधिकारी ओमप्रकाश तर्ड ने किसानों को सिंचाई जल का भंडारण कर मेड पद्धति से खेती करने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि इस तकनीक से कम पानी में अधिक क्षेत्र में सिंचाई संभव होने के साथ उर्वरकों की भी बचत होती है तथा उत्पादन लागत कम होती है। सहायक कृषि अधिकारी दुदाराम बारूपाल ने जैविक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से कृषि भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है। इसके कारण किसानों को अपेक्षित उत्पादन नहीं मिल पा रहा है और नई-नई समस्याओं का सामना करना प? रहा है। उन्होंने किसानों से गोबर खाद, कम्पोस्ट खाद, हरी खाद, केंचुआ खाद तथा जैविक उर्वरकों के अधिकाधिक उपयोग का आह्वान किया। साथ ही मिट्टी परीक्षण करवाकर जांच रिपोर्ट के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग की सलाह दी। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग को कम करना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित खेती को ब?ावा देना तथा किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम के अंत में सहायक कृषि अधिकारी राजसिंह एवं श्योप्रकाश ने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं और कृषकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री लुम्बाराम चौधरी सहित कई किसानों ने भाग लेकर जल संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया।

जोराराम कुमावत ने सुमेरपुर में कृषि विद्यार्थियों को सम्मानित किया

पाली, (नि.सं.)। कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में तृतीय वार्षिकोत्सव समारोह 'हरित्मा 2026' का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन और छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक वंदना से हुई। समारोह के दौरान मंत्री ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इसमें एम.एससी. हॉर्टिकल्चर (फ्रूट साइंस) सहित बी.एससी. कृषि विज्ञान के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने वाले छात्रों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र दिए गए।

शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी कॉलेज का दबदबा देखने को मिला। विश्वविद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुल 23 पदक अपनी झोली में डाले, जिनमें 7 स्वर्ण (गोल्ड), 5 रजत (सिल्वर) और 11 कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक शामिल हैं। मंत्री कुमावत ने इन सभी खिलाड़ियों की पीठ थपथपाई और इसे संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री कुमावत ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर अव्वल रहे विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आपने अपने माता-पिता और इस संस्थान का नाम रोशन किया है, आपकी यह सफलता आपकी कड़ी मेहनत, अनुशासित जीवन और आपके गुरुजनों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है, उन्होंने कहा कि आप जाकर देश के कृषि क्षेत्र को नई दिशा देनी है।

कुमावत ने कहा कि आज का युग आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि का युग है। आप सभी कृषि के छात्र हैं, इसलिए आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हमारे देश की आत्मा गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ किसान हैं। सरकार पशुपालन, गोपालन और डेयरी क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही, खेल के मैदान पर हमारे खिलाड़ियों ने जो कमाल किया है, वह वास्तव में सराहनीय है। आपने सुमेरपुर कृषि महाविद्यालय का गौरव पूरे विश्वविद्यालय स्तर पर बढ़ाया है।

इस मौके पर कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरु प्रो. डॉ. वीएस जैतावत, विश्वविद्यालय के निदेशक, छात्र कल्याण डॉ. एसआर कुमावत, पाली सरस डेयरी के अध्यक्ष प्रताप सिंह बिठिया, एसडीएम कालूराम कुम्हार, डीएसपी जितेंद्र सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह परमार, नगरपालिका के पूर्व उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा, कृषि महाविद्यालय के विशेषाधिकारी डॉ. एमएल तेतरवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कल रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार जीत दर्ज की। विराट कोहली 75 रन बनाकर नाबाद रहे और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन उनके साथ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों जोश हेज़लवुड और टिम डेविड ने भी अहम भूमिका निभाई।

– रिचर्ड मार्ल्स

ऑस्ट्रेलियाई उपप्रधानमंत्री, कोहली की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी – **रजत पाटीदार**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी बार आईपीएल का सरताज बनाने वाले कप्तान रजत पाटीदार इस ऐतिहासिक जीत के बाद बेहद भावुक और खुश नजर आए। गुजरात टाइटन्स को फाइनल में पटखनी देने के बाद कप्तान पाटीदार ने अपनी सफलता और टीम के शानदार सफर का श्रेय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और अपने गेंदबाजों को दिया है। मुझे कोहली भाई से बहुत मदद मिली। जब भी मैं उन्हें देखता हूं, वे हमेशा टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए मौजूद रहते हैं। वे युवा खिलाड़ियों के पास खुद जाते हैं, भले ही वे उनके पास जाने में हिचकिचाते नहीं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय फुटबॉल टीम के सबसे महान खिलाड़ी सुनील छेत्री हैं, जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 95 गोल का रिकॉर्ड है। पुरुष टीम फीफा रैंकिंग में वर्तमान में 136वें स्थान पर है।

अक्सर सोचता था कि विनिंग शॉट मैं ही लगाऊं : विराट कोहली

अहमदाबाद, 1 मई। यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की।'' यह भावुक बयान क्रिकेट जगत के बेताज बादशाह विराट कोहली का है, जिन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चेज मास्टर क्यों कहा जाता है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने वाले विराट कोहली को उनके अद्भुत प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान को जड़ा उनका वह गगनचुंबी छक्का इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया, जिसने आरसीबी को लगातार दूसरा खिताब दिलाया। कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।

उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, ''यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था। हमारी टीम का संयोजन ऐसा है जो किसी भी परिस्थिति से बाहर निकलने का भरोसा देता है।'' उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय उन्हें अपनी भूमिका और रणनीति पूरी तरह स्पष्ट थी। कोहली ने कहा, ''मुझे पता था कि रन-चेज़ में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है।''

अपने आईपीएल करियर के सबसे तेज अर्धशतक (25 गेंद) पर उन्होंने कहा, ''यह आपको लगातार बेहतर करने का लक्ष्य देता है। मुझे अपने खेल में बहुत बड़ा बदलाव नहीं करना था, बल्कि सोच बदलनी थी। गेंदबाजों पर दबाव बनाकर अतिरिक्त रन जुटाने की जरूरत थी।'' कोहली ने कहा कि टीम का पहला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना था।

उन्होंने कहा, ''एक बार हम शीर्ष पर पहुंच गए तो हमारे सामने कौन-सी टीम है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम सभी टीमों का सम्मान करते हैं और किसी को उकसाने में विश्वास नहीं रखते। हमारे पास अनुभवी और परिपक्व पेशेवर खिलाड़ी हैं और बड़े मुकाबलों में यही अनुभव काम आता है।'' उन्होंने कहा, ''बड़े अवसरों पर बड़े खिलाड़ियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होती है। मुझे पता था कि लक्ष्य का पीछा करते समय विपक्षी टीम मुझे जल्दी आउट करने की कोशिश करेगी, लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा था। मुझे विश्वास था कि हमारी चैंपियन टीम तीन-चार ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर सकती है।''

आईपीएल 2026 एमवीपी बनने के बाद सूर्यवंशी बोले -

इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा

अहमदाबाद, 1 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है।

रविवार देर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, ''इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में।'' महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला।

वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन, सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप और एमवीपी ऑफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे।

उन्होंने कहा,''मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूं और चोटों से दूर रहना चाहता हूं।'' उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, ''सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।''

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 1 जून। अंडर-16 समर कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 225 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। चिराग यादव ने 58, गजेंद्र ने 57 और दक्ष ने 44 रनों का योगदान दिया द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी द राजस्थान क्रिकेट अकादमी 35 ओवर में 176 रन पर ऑल आउट हो गई। सचिन मीणा ने सर्वाधिक 39 रनों का योगदान दिया।

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,
Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2026-27/2344 Date :- 25/05/2026

Notice Inviting E-Bids

Single Stage Two envelope online bids are invited on eprocrajasthan.gov.in upto 02.00 pm of 23/06/2026 for Establishment of Conference Room (25-Seater) at RUHS College of Medical Sciences . (Total Est. Cost Rs. 35,00,000.00) Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in or www.ruhscms.org.

UBN :- CMS2627WSOB00014 Principal,
Raj.Samwad/C/26/3841 RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल) / 2026-27

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण / मरम्मत कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2022-23 एवं 2025-26, लेखानुदान, RIDFXXVIII, एम.जे.एस.वाई., स्टार्स प्रोजेक्ट, समग्र शिक्षा 2024-25 इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 23 राजकीय विद्यालयों के निर्माण कार्यों हेतु राशि रू. 165.95 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.96 लाख से 24.58 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाएं 29/05/2026 प्रातः 10.00 बजे से 08/06/2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN IS: RSE2627WSOB00304
राज.संवाद/सी/26/3856

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited

क्रमांक :- एफ 2(45)स्टोर/MD/RSFDCL/2026/22399052 दिनांक :- 22/05/2026

अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रण सूचना
(EOI) संख्या 02/2026-27

सलाहकार / परामर्शदाताओं के पैनल (For Emplanelment of Consultants/Advisors) मे सम्मलित होने के लिये इच्छुक बोलीदाता से दिनांक 20.06.2026 को दोपहर बाद 02.30 बजे तक खुली बोली में प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। निर्धारित समय तक प्राप्त तकनीकी बोलियों को दिनांक 20.06.2026 को दोपहर बाद 03.00 बजे सक्षम उपापन समिति द्वारा प्रबन्ध निदेशक, राज. राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, अरण्य भवन, जयपुर के कार्यालय के कमरा नं. बी-116 में खोली जावेंगी। बोली से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्तें राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट sppp.raj.nic.in से देखे जा सकतें हैं।

UBN No.: FDC2627SSOB00002
राज.संवाद/सी/26/3850 महाप्रबन्धक (मुख्यालय)

आईसीसी का बड़ा फैसला : टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी से निपटने के लिए गुलाबी गेंद का परीक्षण मंजूर

नई दिल्ली, 1 मई। आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की वजह से खेल रुकने की समस्या को कम करने के लिए एक नए प्रयोग को मंजूरी दे दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार अब ऐसे टेस्ट मैचों में, जहां खराब रोशनी की संभावना होगी, लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की पूर्व सहमति जरूरी होगी। गौरतलब है कि अब तक गुलाबी गेंद का उपयोग केवल दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में किया जाता रहा है। विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में इस तरह के मुकाबले नियमित रूप से खेले जाते हैं। लेकिन अब आईसीसी दिन के समय खेले जाने वाले टेस्ट मैचों में भी आवश्यकता पड़ने पर लाल गेंद से गुलाबी गेंद पर बदलाव का परीक्षण करना चाहता है, ताकि कृत्रिम रोशनी में खेल जारी रखा जा सके और खराब रोशनी के कारण होने वाले समय और ओवरों के नुकसान को कम किया जा सके। यह फैसला अहमदाबाद में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की समिति की कई सिफारिशों को मंजूरी दी है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए 4 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में इसका इस्तेमाल संभव नहीं होगा। बता दें कि आईसीसी ने खराब रोशनी की समस्या से स्थायी समाधान खोजने के लिए अनुसंधान को भी मंजूरी दी है। परिषद अब मैच अधिकारियों और स्टेडियमों के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था तकनीक पर शोध करेगी। इस परियोजना में मेरिलीबोन क्रिकेट क्लब यानी एमसीसी भी सहयोग करेगा। इसके अलावा सीमित ओवर क्रिकेट में भी एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

पिछले साल 11 मौतों से लिया सबक, आईपीएल खिताब जीतने के बाद भी आरसीबी नहीं निकालेगी विजय जुलूस

नई दिल्ली, 1 मई। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता।

आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी।

दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का आगाज

उद्घाटन मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से रौंदा

जयपुर, 1 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ रविवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर हुआ।

1 जून से 27 जून 2026 तक चलने वाली इस लीग में कुल 56 मैच खेले जाएंगे।

राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि उद्घाटन दिवस पर चार मुकाबले खेले गए:

पहला मैच: राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से हराया। राजस्थान फुटबॉल स्कूल: आराध्य (6, 19, 22,50), उज्ज्वल (8), राघव (12), अयन (34) ने गोल किए। जयपुर फुटबॉल क्लब: अयानांश (30) ने एकमात्र गोल किया।

दूसरा मैच: जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स ने जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब को 4-0 से हराया। जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स: महेश मीणा (28, 55), कृष रोशन (25), लवित्रा (35 2) ने गोल किए।

तीसरा मैच: रॉयल फुटबॉल क्लब ने ब्रदर्स यूनाइटेड को 2-1 से हराया। रॉयल एफसी के समर (23), मोबीन (50) ने गोल किए। ब्रदर्स यूनाइटेड: के नकुल (52) ने एकमात्र गोल किया।

चौथा मैच: एएसएलफुटबॉल क्लब ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब को 1-0 से हराया। एएसएल एफसी: सर्वसिद्ध (29) ने गोल किया। यह लीग राजस्थान में ग्रासरूट फुटबॉल को मजबूत करने की दिशा में आरएफए का एक और बड़ा कदम है।

लीग विवरण: इस लीग में प्रदेश की 8 सबसे अच्छी टीमें हिस्सा ले रही हैं:

1. रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर
2. ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, जयपुर
3. रेड स्टोन फुटबॉल क्लब, जयपुर
4. राजस्थान फुटबॉल स्कूल, जयपुर
5. एलीट फुटबॉल क्लब, जयपुर
6. एएसएलफुटबॉल क्लब, जयपुर
7. जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल क्लब
8. जयपुर फुटबॉल क्लब

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/237 Dated :- 25/05/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:
1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date : 18.06.2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN : MSC2526GLOB00056 Executive Director (EPM)
Raj.Samwad/C/26/3853 Rajasthan Medical Services Corporation

कार्यालय नगर पालिका, सीकरी, जिला-डीग (राज0)

क्रमांकः- न.पा.सीकरी / निर्माण / 2026 / 469 दिनांक :- 26.05.2026

ई-निविदा सूचना – 02/2026-27

नगरपालिका सीकरी के द्वारा निम्न निर्माण कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मान्यता प्राप्त उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा द्वारा कुल 01 कार्य की कुल अनुमानित लागत 139.63 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः ई-निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय एवं विभाग की बेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in देखी / पढी जा सकती है। जिसके UBN NO. निम्नलिखित है।
Nib Code – DLB2627A2270
UBN No. – DLB2627WSOB05785, Pub.Date – 26.05.2026
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 26 / 3796 नगरपालिका सीकरी (डीग)

यूनियन फुटबॉल क्लब में रग्बी खेल का शुभारंभ, जयपुर की 13 टीमों ने भाग लिया

टच रग्बी प्रतियोगिता परिणाम

बालिका वर्ग: यूनियन रग्बी क्लब – विजेता
निकिता पब्लिक स्कूल – उपविजेता
बालक वर्ग: शौर्य जननी फाउंडेशन – विजेता, ब्लैक पैंथर – उपविजेता
टैकल रग्बी प्रतियोगिता परिणाम
पुरुष वर्ग: ब्लैक पैंथर – विजेता, शौर्य जननी फाउंडेशन – उपविजेता
बालिका वर्ग: ब्लैक पैंथर – विजेता, डी.आर. क्लब – उपविजेता

जयपुर, 1 जून। देश के सबसे प्राचीन खेल संस्थानों में से एक, वर्ष 1889 में स्थापित यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (ट्रस्ट) में आज रग्बी खेल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। क्लब के कॉर्डिनेटर एवं ट्रस्टी अभिनव स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब अपने खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करते हुए अब रग्बी खेल को भी अपने नियमित खेलों में शामिल किया।

रग्बी प्रतियोगिता का उद्घाटन क्लब ग्राउंड संख्या-2, रामनिवास बाग, जयपुर में क्लब पदाधिकारियों एवं राजस्थान रग्बी संघ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर की कुल 8 बालक एवं 5 बालिका टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत टच रग्बी तथा टैकल रग्बी के रोमांचक मुकाबले हुए।

इस अवसर पर यूनियन फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, सचिव महिपाल स्वामी, राजेन्द्र सिंह शेखावत, आर. के. भट्ट, कोषाध्यक्ष योगिनी भाव्या राजावत, राजस्थान टच रग्बी एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गौरा, शारीरिक शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष एवं दौसा जिला टच रग्बी संघ के अध्यक्ष जगदीश गोपाल गुरु शर्मा, चैना राम, राजस्थान रग्बी के पदाधिकारी श्याम सिंह राजावत, दिग्विजय सिंह, पंकज सैनी, आशीष, दिलीप सिंह, तरुण पंवार, हैंडबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षय राज सिंह राठौड़, आर. एल. लम्बा, कबड्डी कोच राज नारायण शर्मा, प्रतिष्ठा स्कूल संस्था की संस्थापिका अर्पिता माथुर, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक प्रमोद जैन, मनीषा जैन, राजस्थान बार काउंसिल अध्यक्ष राजीव सोगरवाल, प्रेरक स्वामी, पल्लवी जैन, ग्राउंड इंचार्ज गौरव जी, 94 वर्षीय गोपाल कृष्ण तेलंगाना, प्रवीण शर्मा, सहित सैकड़ों खिलाड़ी, अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रामनिवास बाग यूनियन फुटबॉल क्लब के माध्यम से पुनः स्पोर्ट्स हब बनता जा रहा है।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड : कबीर, महेंद्र, दिव्यांश, सिद्धार्थ की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 1 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर में राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों में चूरू, करौली, सिरोही, झुंझनू, जोधपुर, श्रीगंगागनर, सवाई माधोपुर, जालोर, जैसलमेर, धौलपुर, सीकर, भीलवाड़ा, राजसमंद, कोटा, भरतपुर जीती। दर्शन जैन, सुमित गोदारा, दिव्य गजराज, साहिल दीवान, शबाज, सचिन कैथ, जतिन चौधरी, केशव डिडवानिया ने शतक लगाए। कबीर शर्मा, महेंद्र चौधरी, दिव्यांश फौजदार, सिद्धार्थ पुरोहित, नयन मैडा, लखन भारती, यश कोठारी, विजय पॉटर, भव्य राज, सज्जन शर्मा ने शानदार गेंदबाजी की।

सवाई मान सिंह स्टेडियम – सीकर – अजमेर, सीकर 84 रन से जीती। अनंतं ग्राउंड राजसमंद –हनुमानगढ़ राजसमंद 65 रन से जीती। जैपुरिया ग्राउंड भीलवाड़ा – झालावाड़, भीलवाड़ा 85 रन से जीती। के एल सैनी ग्राउंड बूंदी – सिरोही, सिरोही 5 विकेट से जीती। लक्ष्य ग्राउंड बारां – सवाई माधोपुर, सवाई माधोपुर 2 विकेट से जीती। अरावली ग्राउंड बीकानेर-जैसलमेर, जैसलमेर 3 विकेट से जीता। जी आर ग्राउडं भरतपुर –दौसा, भरतपुर 115 रन से जीती। पी एस ग्राउंड प्रतापगढ़ – करौली, करौली 8 विकेट से जीती। वंडर ग्राउंड नागौर –धौलपुर, धौलपुर 7 विकेट से जीती। टेलर ग्राउंड जालोर – डूंगरपुर, जालोर 181 रन से जीती। स्पार्टन ग्राउडं टोंक – चूरू, चूरू 8 विकेट से जीती।वंडर ग्राउंड कोटा –पारी, कोटा 15 रन से जीती। एंजेल ग्राउंड चित्तोड़ – जोधपुर, जोधपुर 8 विकेट से जीती। रिपब्लिक ग्राउंड बाड़मेर – झुंझनू , झुंझनू 1 विकेट से जीती । क्लब क्रिकेटोलॉजी श्रीगंगानगर – बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर 124 रन से जीती।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / स्टोर शाखा / 2026 / 1601 दिनांक :- 26.05.2026

:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 11.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2627SLOB05773 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 3814 नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर
Tel No. 01462-258665, 257509 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक / रोषनी / 2026-27 / 2138 दिनांकः- 25.05.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

नगर परिषद, ब्यावर द्वारा परिषद क्षैत्र में 15th FFC Untied एवं परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नांकित रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाया जाने हेतु परिषद के सम्बन्धित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement प्रकिया के तहत केवल www.eproc.rajasthan.gov.in की ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। दिनांक 10.06.2026 सांय 06:00 बजे तक निविदा भरी जा सकती है एवं ई-निविदा फार्म शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस की राशि नगर परिषद के IDFC First Bank के खाता संख्या 10123576694 आई.एफ.सी. कोड IDFB0042185 में जमा कराकर रसीद की हार्डकॉपी तथा बोली धरोहर का डी.डी. / बैंकर चैक एवं सक्षम पंजीकरण की कॉपी नगर परिषद, ब्यावर के रोशनी शाखा में दिनांक 11.06.2026 को प्रातः 11 बजे से पूर्व जमा कराना अनिवार्य कराना अनिवार्य है। कुल 04 रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाये जाने है। ई-निविदा सूचना की समस्त शर्ते SPPP पोर्टल पर देखी जा सकती है।
जिसका NIB Code DLB2627A2231 है एवं UBN नम्बर निम्नानुसार हैः-
(i) DLB2627GLOB05722,
(ii) DLB2627GLOB05724,
(iii) DLB2627GLOB05726,
(iv) DLB2627GLOB05728
आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 3807 नगर परिषद, ब्यावर

राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

जयपुर की कचनार, रितिशा, निकिता और रिंकू ने भी जीते स्वर्ण पदक

आदेश गरसा और डोना धाकड़ बने सबसे तेज धावक

जयपुर, 1 जून। बीकानेर के सादुल स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झुंझुनूं के आदेश गरसा और जयपुर की डोना धाकड़ ने क्रमशः पुरुष एवं महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ का खिताब जीतकर प्रदेश के सबसे तेज धावक-धाविका बनने का गौरव हासिल किया। आदेश गरसा ने 10.81 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता। अजमेर के अभिजीत लांघे दूसरे और भरतपुर के शैलेन्द्र चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में डोना धाकड़ ने 12.12 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया। बीकानेर की टीना पारीक दूसरे तथा जयपुर की कशिश चोमाल तीसरे स्थान पर रहीं। समापन समारोह में राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेन्द्र सिंह तथा राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के महासचिव देवनारायण ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग में श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जबकि महिला वर्ग में जोधपुर की एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर के मानव शर्मा ने 10 हजार मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में अंतरराष्ट्रीय एथलीट कचनार चौधरी ने शॉटपुट, निकिता कुमारी ने डिस्कस थ्रो, रिंकू चौधरी ने ट्रिपल जंप और रितिशा कौर ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।।

75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैम्पियनशिप 2026

योग्या व दक्षिणा ने बनाए नए रिकॉर्ड

जयपुर, 1 जून। योग्या सिंह (भीलवाड़ा) और दक्षिणा जोशी (टोंक) ने 75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए नए रिकॉर्ड कायम किए। प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर जिला तैराकी संघ द्वारा स्टेडियम स्विमिंग पूल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन दस से अधिक प्रतियोगिताओं का फैसला हुआ। योग्या सिंह ने महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 1:08.46 मिनट का समय निकालकर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि दक्षिणा जोशी ने महिला 200 मीटर बटरफ्लाई में 2:22.03 मिनट का समय दर्ज कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

महिला वर्ग – रतिका खता (धौलपुर) ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता 2:17.32 मिनट में जीत ली। अवविका चौधरी (जयपुर) ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में 24:06.06 मिनट के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया।

आध्या बृजेश ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का खिताब 39.41 सेकंड में अपने नाम किया। 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में हरिका, आध्या, अश्विका और वान्या की जयपुर टीम ने 5:03.90 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं सर्वी, आध्या, सिद्धिक्षा और वानिया की टीम ने अपनी रिले प्रतियोगिता में 5:43.84 मिनट के समय के साथ जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग – मोहम्मद अनस (भीलवाड़ा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक दोनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीता। हिमांशु सियाग ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब 18:17.22 मिनट में जीता। साहिल गुप्ता (जयपुर) ने 200 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में 2:29.72 मिनट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यश तिवारी, गौरण, कृष्णादित्य और पृथ्वीराज की टीम ने 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले का खिताब आठ दिन पहले का सफल समापन किया। शाम का मुख्य आकर्षण एमजीडी स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सिंक्रोनाइज्ड स्विमिंग का मनोमोहक प्रदर्शन रहा। जयपुर के दर्शकों ने पहली बार इस खेल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। समारोह के मुख्य अतिथि वैभव गालरिया, वित्त विभाग के मुख्य शासन सचिव, राजस्थान सरकार थे। विजेताओं को पुरस्कार अनिल व्यास, अध्यक्ष, राजस्थान तैराकी संघ ने प्रदान किए।

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; Mo. No.: 8112207969 @ 9414389929
कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
क्रमांक: एफ( )/कृअके/2026-27/66-71 दिनांक: 30/05/2026

निविदा सूचना (2026-27)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 08.06.2026 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्याहन 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क
कृषि अनुसंधान केन्द्र, पर मक्का परियोजना एवं फल अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा पर कृषि कार्य (5.12 हेक्टर)	5,13,075/-	10,500/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ विकास, सुशासन व जन कल्याण से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

नई दिल्ली/जयपुर, 1 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा, महिला, किसान एवं अंत्योदय के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए उनका विजन और दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। वहीं, राजस्थान के लिए, प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह, आत्मीय जुड़ाव तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है।

उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग विकसित राजस्थान के संकल्प को निरंतर शक्ति प्रदान करता है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जन कल्याण आदि क्षेत्रों में नई ऊँचाईयों की ओर तेजी से अग्रसर है।

जल जीवन मिशन के एक आरोपी को सशर्त जमानत

जयपुर, 1 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन के टेंडरों से जुड़े करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे चार आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। वहीं, अदालत ने एक आरोपी अरुण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों के आधार पर सशर्त जमानत पर रिहा करने को कहा है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान वाटर सप्लाई एंड सीवरेज मैनेजमेंट बोर्ड के तत्कालीन सचिव शुभांशु दीक्षित, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार तत्कालीन मुख्य लेखाधिकारी एवं वित्तीय सलाहकार सुशील शर्मा तथा तत्कालीन मुख्य अभियंता स्पेशल प्रोजेक्ट्स दिनेश गोयल की जमानत याचिकाओं पर दिए। अदालत ने 27 मई को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारी टेंडर प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य थे और पूरी प्रक्रिया में उनकी भूमिका रही है। निविदाओं के संबंध में गंभीर शिकायतें मिलने के बावजूद प्रक्रिया को जानबूझकर आगे बढ़ाया गया, जिससे प्रथम दृष्टया गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप प्रमाणित होते है। एसीबी की ओर से सात टेंडरों की जांच कर अदालत में करीब 16 हजार प्रष्ठों का आरोप पत्र पेश किया है, जबकि कुल 104 टेंडरों की जांच होनी है। ऐसे में जांच के इस चरण पर आरोपियों को जमानत देना न्यायोचित नहीं होगा।

वहीं, अदालत ने मामले के सह आरोपी तत्कालीन चीफ इंजीनियर अरुण श्रीवास्तव को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वास्थ्य के आधार पर सशर्त जमानत प्रदान की है। अदालत ने आदेश दिया है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा, साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा, अपना पासपोर्ट जांच अधिकारी को सौंपेगा तथा ट्रायल कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसकी आयु 58 वर्ष से अधिक है और वह लंबे समय से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है।

■ हाई कोर्ट ने अरूण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी व चार आरोपियों की याचिका को खारिज किया।

ईडी ने 145 करोड़ रु. के गबन में कोटक महिन्द्रा बैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया

पंचकुला की विशेष अदालत ने सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को 9 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली, 01 जून । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी के चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने 1 जून को उसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया। विशेष पीएमएलए अदालत, पंचकूला ने सिंह को नौ दिन की ईडी कस्टडी में भेजा है, जो 9 जून तक रहेगी। जांच की शुरुआत एसीबी, पंचकूला द्वारा दर्ज एफआईआर से हुई थी। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक के अज्ञात अधिकारियों और नगर निगम पंचकूला के 145 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप लगाया गया था।

ईडी की जांच में सामने आया कि नगर निगम अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों ने मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी की। दिलीप कुमार राघव (कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर) ने पुष्पेन्द्र सिंह और विकास कौशिक (पूर्व वरिष्ठ लेखा अधिकारी, नगर निगम पंचकूला) के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले। इन खातों से धन को फर्जी प्राधिकरण पत्रों के जरिए इन अवैध खातों में स्थानांतरित किया गया। बाद में यह रकम राजत दहरा, स्वाति तोमर, कपिल कुमार और विनोद कुमार जैसे फाइनेंसर्स को भेजी गई। जांच में पाया गया कि ये सभी फाइनेंसर्स पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

ईडी ने बताया कि इन फाइनेंसर्स द्वारा प्राप्त धन को वापस पुष्पेन्द्र सिंह और उसकी पत्नी प्रीति ठाकुर के पास भेजा गया। इसके अलावा, रकम को रियल एस्टेट कंपनियों और अन्य निजी व्यक्तियों को भी ट्रांसफर किया गया। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

■ ईडी की जांच में सामने आया कि पुष्पेन्द्र दो अन्य के साथ मिल कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले।

ओमान से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, ओमान इस मामले में अपवाद रहा। ओमान से भारत का आयात 246.4 प्रतिशत बढ़कर, 43 करोड़ डॉलर से लगभग 1.5 अरब डॉलर पहुंच गया। इसका मुख्य कारण कच्चे तेल और यूरिया की खरीद में वृद्धि रही। वहीं, ओमान को भारत का निर्यात केवल 10.3 प्रतिशत ही घटा। उन्होंने कहा, "इस अनुभव से साबित होता है कि जब होर्मुज स्ट्रेट जोखिमपूर्ण या अत्यधिक व्यस्त हो जाता है, तब ओमान भारत के लिए व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक भरोसेमंद वैकल्पिक मार्ग बन सकता है।" हालांकि भारत के 80 प्रतिशत से अधिक निर्यात पहले से ही ओमान में औसतन 5 प्रतिशत के कम शुल्क पर प्रवेश पा रहे थे, लेकिन कुछ उत्पादों पर शुल्क 100 प्रतिशत तक पहुंच जाता था।श्रीवास्तव ने कहा, "इन शुल्कों के समाप्त होने से ओमान के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि ओमान की अपेक्षाकृत छोटी आबादी और सीमित बाजार के कारण निर्यात में वृद्धि की गति पर कुछ हद तक अंकुश लगना स्वाभाविक है। ओमान की आबादी लगभग 55 लाख है और उसका सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) लगभग 110 अरब डॉलर है।

सात नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानकों, समय-सीमा, यातायात अनुमानों, वित्तीय मॉडलों तथा संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई है।

दिल्ली-आगरा हाई स्पीड रेल लाइन के संबंध में, मथुरा के लिए राया शहरी केन्द्र के निकट इटौली गांव के पास तथा आगरा में (एतमादपुर मदरा के निकट) स्टेशन की जगह तय कर ली गई है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया, "भूमि की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और स्टेशनों के आसपास एकीकृत टाउनशिप विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चर्चा जारी है।" बताया जाता है कि निगम ने 2021 की मूल डी.पी.आर. को अपडेट करने का काम पूरा कर लिया है, जिसमें अपडेटेड सर्वेक्षण, लागत और अलाइनमेंट शामिल किए गए हैं।

पिछले कई दशकों में अनेक हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। वर्ष 2007-08 के रेल बजट में कुल 2548 किलोमीटर लंबाई वाली पांच हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।

अगले वर्ष 991 किलोमीटर लंबा दिल्ली-पटना मार्ग भी इस सूची में शामिल किया गया था। वर्ष 2012-13 के रेल बजट में दिल्ली-जयपुर-अजमेर-जोधपुर मार्ग को जोड़ा गया, जबकि मुंबई-अहमदाबाद लाइन को 2013-14 में शामिल किया गया। हालांकि, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना को छोड़कर अन्य अधिकांश परियोजनाएं लंबे समय से लंबित पड़ी हुई हैं।

नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी भाजपा के राष्ट्रीय संगठक नियुक्त

भाजपा ने यह नया पद वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या व सुझाव सुनने के लिए बनाया है

नई दिल्ली, 01 जून । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं केन्द्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केन्द्र दिल्ली होगा।

■ नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी अभी बिहार व झारखंड के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के पद पर कार्य कर रहे थे।

भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है। इससे पहले वे बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर जिले के निवासी नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में की थी। नगर प्रचारक, जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद, उनको अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भेज दिया गया था।

इसके बाद उनको उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश महामंत्री संगठन बनाया गया था।

अब भाजपा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। राज्यसभा में उसका एकमात्र प्रतिनिधित्व भी समाप्त होने की आशंका है, क्योंकि उसके सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। पार्टी के पास केवल 12 विधायकों का समर्थन है, जबकि एक सीट जीतने के लिए 46 विधायकों का समर्थन आवश्यक है।

झारखंड में कांग्रेस की उम्मीदें सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर टिकी हैं। यहां दो सीटों के लिए चुनाव होना है, जिनमें एक सीट शिबू सोरेन के निधन के बाद रिक्त हुई है। कांग्रेस को उम्मीद है कि झामुमो इनमें से एक सीट उसके लिए छोड़ेगा। चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी कर दी गई, जिसके साथ चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित की गई है।

इस चरण में 24 सीटों पर सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, जिनमें 11 सीटें भाजपा और तीन सीटें उसके सहयोगी दलों के पास हैं।

इसके अलावा, तीन सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। इनमें एक सीट पहले सुनेत्रा पवार के पास था, जिन्होंने बारामती विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ओडिशा के सांसद देबाशीष सामंत्रे द्वारा बीजेडी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद रिक्त हुई सीट पर भी उपचुनाव कराया जाएगा।

भाजपा जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

नीट पेपर लीक के तीन आरोपी 15 जून तक न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, 01 जून । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 15 जून तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीनों की सीबीआई हिरासत आज खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने आरोपियों शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी पुणे में फिजिक्स के टीचर तेजस हर्षदकुमार शाह और मनीष संजय हवलदार को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

■ इस मामले में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिटा सुब्रमण्यम मोहन।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान अर्जित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अपने एक्स पोस्ट में कहा कि लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन से गहरा दुःख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन ने हमारी सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया। अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान बनाया। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति हमारी गहरी संवेदना।

हरिद्वार में राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस पलटी, महिला की मौत

हरिद्वार, 01 जून। उत्तराखंड की धर्मनगरी हरिद्वार में कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने सोमवार सुबह राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस एक डंपर की टक्कर के बाद सड़क पर पलट गई। हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हुए है। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, राजस्थान के नागौर जिले के श्रद्धालु पूर्णिमा स्नान के बाद तीन बसों में सवार होकर अपने गृह जनपद लौट रहे थे। श्रद्धालु भूपतवाला स्थित पांची धर्मशाला में ठहरे हुए थे। बताया गया कि राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस सुबह करीब 7:15 बजे धर्मशाला से निकलकर सर्विस लेन के रास्ते हाईवे पर हरिद्वार की ओर मुड़ रही थी। इसी दौरान कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने श्रीराम पंजाबी ढाबे के पास देहरादून की ओर से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने बस के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी।

'प्रक्रिया एक माध्यम है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समीर जैन की एकलपीठ ने आदेश दिया है कि, एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करें।

उल्लेखनीय है कि अदालत के समक्ष तीनों डिस्कॉम की ओर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि बार-बार आर्बिट्रेशन में अदालत का दखल देना सही नहीं है। कमर्शियल कोर्ट ने दो बार समयावधि गलत तरीके से बढ़ाई है, दूसरी बार आर्बिट्रेशन का एक्सटेंशन नियमों के विपरीत है, इसमें कोई उचित कारण भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि, एसीपी की ओर से ही अधिवक्ता बार-बार समयावधि बढ़वाते है।

दूसरी ओर कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता शैलेश कपूर और लोकेश आत्रे ने अदालत को बताया कि, अभी तक आर्बिट्रेशन में 162 बार सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के वकीलों को स्पष्ट नहीं था कि उन्हें मामले में कैसे पैरवी करनी है, इसलिए वह बार-बार समय बढ़वाते थे। चूंकि यह मामला 47 जगहों पर 528 करोड़ रुपए के अलग-अलग अनुबंधों को पूर्ण करने का है, इसलिए इसका रिकॉर्ड 50-60 हजार दस्तावेजों व फाइलों, 22 गवाहों के बयानों और पुख्ता साक्ष्यों से संबंधित है। अगर यह मामला हाईकोर्ट में आता तो 47 अलग-अलग प्रकरण होते, जिनके अलग-अलग ही मुकदमे दायर होते।

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा कि "पहले तो कोविड के चलते पहला एक्सटेंशन (समयावधि बढ़ाना) जायज हो, लेकिन दूसरी बार आर्बिट्रेशन का समय बढ़ाते समय कमर्शियल कोर्ट ने कोई वाजिब कारण नहीं बताया। अदालत ने कहा कि कमर्शियल कोर्ट को यह भी देखना चाहिए था कि, उनके द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश की भी ढंग से पालना नहीं हुई।

अदालत ने यह भी टिप्पणी कि आर्बिट्रेटर (मध्यस्थता कर रहे रिटायर्ड जज) प्रकरण की हर दिन अथवा सप्ताह में सुनवाई करते, लेकिन उन्होंने अपनी सुनवाई की तारीखों में 1 से 5 माह तक अंतराल रखा। आर्बिट्रेटर की लेटलतीफी और ढुलमुल रवैये के कारण आर्बिट्रेशन का उद्देश्य ही समाप्त हो गया।" इसे देखते हुए अदालत ने आर्बिट्रेशन फीस के अतिरिक्त 10 प्रतिशत खर्च को घटाकर 5 फीसदी किया है। साथ ही कहा है कि बचे हुए पैसे दोनों पक्षों को अवार्ड पारित करने के बाद वापस लौटाए जाएं।

जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा होगा, उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी: राहुल गांधी

पुष्कर में प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि टिकट बाँटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर/पुष्कर । कांग्रेस नेता एवं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को अजमेर के निकट पुष्कर में आयोजित नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी और स्वागत कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने की। बताया जा रहा है कि चिंतन शिविर में सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी आने का कार्यक्रम था, परंतु किसी कारण से उनका कार्यक्रम रद्द हो गया।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पुष्कर में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

■ कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिन्तन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

पुष्कर के निकट तिलोरा स्थित रिसॉर्ट में राजस्थान के 50 और दिल्ली के 15 जिलाध्यक्षों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने साफ कहा कि आगामी चुनावों में टिकट बांटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी अहम होगी। जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी।

उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की जोड़ी को "जय-वीरू" की जोड़ी जैसी बताते हुए तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जोड़ी लंबी चलेगी।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के साथ ही सभी जिलाध्यक्षों की बात सुनी और उनके प्रश्नों का जवाब भी दिया। जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। ताइक्वांडो के सैशन में उन्होंने बॉक्सिंग का उदाहरण देते हुए भी जिलाध्यक्षों से कहा कि सभी को पॉलिटिक्स में भी डिफेंड करना बहुत जरूरी है।

चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिंतन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। राहुल गांधी की सोच है कि जिलाध्यक्षों को एक नए रूप में देखा जाए। आने वाले दिनों में पार्टी को कैसे और ज्यादा मजबूत किया जाए। किन राज्यों, क्षेत्रों में हम और मजबूत हो सकते हैं, नए लोगों को जोड़ा जाए, ऐसे तमाम मुद्दों पर आज चर्चा की गई। इस तरीके के शिविर से पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा मिलती है। शिविर में आज सार्थक और खुले दिल से चर्चा हुई है।

उधर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी द्वारा की गई तारीफ पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि "राहुल गांधी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे है।" जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बेहद महत्वपूर्ण संगठन सम्बन्धी ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

टीएमसी महासचिव अभिषेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दस्तावेज पर किये गये हस्ताक्षर उनके नहीं हैं। राज्य सीआईडी ने जब दो अन्य विधायकों से पूछताछ की तो उन्होंने भी अपने हस्ताक्षर होने से इनकार किया है।

शिकायत करने वाले दोनों विधायकों को बाद में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी के लगभग 30 नवनिर्वाचित विधायकों ने दक्षिण कोलकाता के विवांता होटल में पार्टी नेतृत्व की अवहेलना करते हुए एक बैठक की। अब पार्टी के विधायी दल की फूट पूरी तरह से सामने आ गई है, क्योंकि दो विधायकों ने सीधे विधानसभा अध्यक्ष के पास जाकर आरोप लगाया है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षर बनाए हैं। अब तक तीन विधायक कह चुके हैं कि उनके हस्ताक्षर जाली बनाए गए और उन्होंने उस पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। उनके बयान सीआईडी द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग में दर्ज किए जा चुके हैं। यदि जालसाजी का आरोप साबित हो जाता है, तो यह एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध होगा, जिसमें सात वर्ष तक की सजा हो सकती है। ममता बनर्जी ने हाल ही में चुने गए विधायकों की बैठक अपने घर पर बुलाई थी। लेकिन इस बैठक में केवल लगभग 20 विधायक ही पहुंचे, जबकि 50 से अधिक विधायक नहीं आए। इससे यह संकेत मिल रहा है कि पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी की अवहेलना कर रहे हैं।

राज्य सीआईडी ने जालसाजी मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए सीआईडी कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर सुबह की पूछताछ में शामिल होने से इनकार कर दिया। बाद में शाम को सीआईडी अधिकारी जांच आगे बढ़ाने के लिए उनके घर पहुंचे। अब कुछ कानूनी विशेषज्ञ सुझाव दे रहे हैं कि नई सरकार को यह भी जांच करनी चाहिए कि पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्ताक्षर कितने प्रामाणिक और वास्तविक हैं।

ब्लूटूथ से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व तुलछाराम के भतीजे पोरव कालेर ने भी समान बिंदुओं पर अंतरिम जमानत मांगी थी, लेकिन अदालत ने उसे भी अंतरिम जमानत नही दी थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908